MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-10 ❖ मुंबई ❖ रविवार 26 फरवरी से 04 मार्च 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

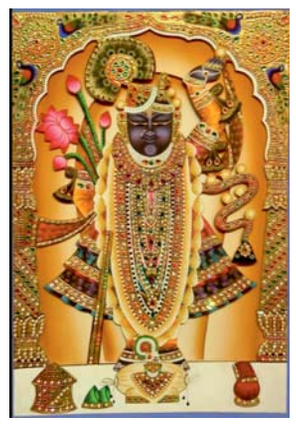

पेज 3

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकन

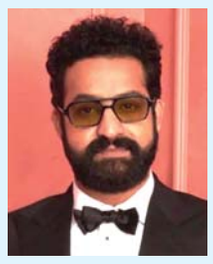

पेज 5

मिलेट अब बन रहा है विश्व की पसंद

पेज 7

नरगिस ने अपने फैशन से लोगो का ध्यान खींचा

पेज 8

गुजरात में 3 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

एक नजर

न्यायमूर्ति आशीष गुजरात उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति आशीष जितेंद्र देसाई को शुक्रवार को गुजरात उच्च न्यायालय में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्हें मुख्य न्यायाधीश सोनिया गोकानी के स्थान पर नियुक्त किया गया है जो शनिवार को सेवा निवृत्त हो रही हैं। कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने ट्वीट किया कि गुजरात उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति देसाई को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है और उनकी नियुक्ति 26 फरवरी से प्रभावी होगी। गुजरात उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सोनिया गोकानी 25 फरवरी को 62 साल की होने के बाद सेवानिवृत्त हो रही हैं। उन्हें 12 फरवरी को गुजरात उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। भारत के 25 उच्च न्यायालयों में वह एकमात्र महिला मुख्य न्यायाधीश हैं। एक अन्य महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति सबीना हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश हैं।

गुजरात : अमरेली में भूकंप के दो और मामूली झटके

अमरेली। गुजरात के अमरेली जिले में पिछले 24 घंटों में 3.4 और 3.1 तीव्रता के भूकंप के दो मामूली झटके महसूस किए गए। पिछले दो दिनों में क्षेत्र में भूकंप की यह तीसरी घटना है। भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिले के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आईएसआर के अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 11.40 बजे सावरकुंडला तालुका के मिटियाला गांव में 3.1 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। यह अमरेली शहर से 43 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व में था। बृहस्पतिवार को रात 11.35 बजे, जिला मुख्यालय से 44 किमी दक्षिण-दक्षिण पूर्व में खंभा में 3.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। गांधीनगर स्थित आईएसआर के एक अधिकारी ने बताया कि इससे पहले बृहस्पतिवार की सुबह मिटियाला गांव में 6.2 किलोमीटर की गहराई में 3.1 तीव्रता का झटका दर्ज किया गया था।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के रीडिवेलपमेंट पर खर्च होंगे 18,000 करोड़, मार्च में दिया जायेगा ठेका

मुंबई: केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि 18,000 करोड़ की छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पुनर्विकास परियोजना का ठेका मार्च के मध्य तक दे दिया जाएगा। एक कार्यक्रम में वैष्णव ने कहा कि भारत तीन साल में रेलवे प्रौद्योगिकी का निर्या त करने लगेगा, जो लंबे समय तक आयातक रहने के बाद एक बड़ी उपलब्धि होगी। सीएसएमटी पुनर्विकास परियोजना के बारे में वैष्णव ने कहा, 'मार्च के मध्य में ठेका स्वीकृत हो जाएगा। मुंबई में हर विभाग ने इस परियोजना को अपनी मंजूरी दे दी है।' उन्होंने कहा कि कम जगह की समस्या का सामना कर रहे शहर में बहुत जगह हो जाएगी और लोगों का आना-जाना सरल हो जाएगा। सीएसएमटी पुनर्विकास परियोजना कुछ सालों से कागजों पर ही थी। वैष्णव ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर भी हमला करते हुए कहा कि सत्ता में रहने के दौरान उनकी विकास में कोई रुचि नहीं थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद-मुंबई के बीच हाईस्पीड रेल जैसी परियोजनाओं में एकनाथ शिंदे की सरकार बनने के बाद तेजी से प्रगति हुई। मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन के लिए 152 किलोमीटर तक खंभे तैयार हो चुके हैं।

उद्धव ठाकरे के 20 MLA संपर्क में दो दिन में बदल जाएगी फिजा

एकनाथ शिंदे के मंत्री का दावा क्या?

मुंबई: महाराष्ट्र में एक तरफ उद्धव ठाकरे मध्यावधि चुनाव की बात कह रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे गुट के मंत्री उदय सामंत ने अलग ही दावा कर सबको चौंका दिया है। सामंत ने कहा कि उद्धव ठाकरे के 15 से 20 विधायक हमारे संपर्क में हैं। आने वाले दो दिनों में पिक्चर क्लियर हो जाएगी। सामंत ने कहा कि कार्यकर्ता और पदाधिकारी छोड़कर न जाएं। इसलिए उद्धव ठाकरे उन्हें मध्यावधि चुनाव की घुट्टी पिला रहे हैं। फ़िलहाल एकनाथ शिंदे गुट को असली शिवसेना का तमगा मिला है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने शिवसेना नाम और धनुष बाण चुनाव चिन्ह एकनाथ शिंदे गुट (Eknath को

दिया है। हालांकि, अभी तक दूसरा मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है। इस बाबत शिंदे गुट के कई विधायकों ने नाराजगी भी जताई थी। बावजूद इसके शिंदे सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है। यह भी कहा जा रहा है कि इस वजह से कई विधायक नाराज भी हैं। इसी बात को आधार बनाते हुए संजय राउत ने भी शिंदे सरकार के फरवरी महीने में गिरने की भविष्यवाणी भी की थी। हालांकि, फरवरी के महीना गुजरने वाला है लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। कसबा और चिंचवड उपचुनाव के मद्देनजर उद्धव ठाकरे ने मतदाताओं से ऑनलाइन संवाद साधा। इसी दौरान उन्होंने राज्य में मध्यावधि चुनाव होने की आसार जताए थे। ठाकरे के इसी बयान पर उदय सामंत ने पलटवार किया है। मध्यावधि चुनाव की संभावना नहीं कैबिनेट मंत्री उदय सामंत ने कहा कि राज्य में मध्यावधि चुनाव के आसार नहीं हैं। हमारे पास 170 विधायकों का समर्थन है। उद्धव ठाकरे चुनाव आयोग के फैसले के बाद निराशा से घिर गए हैं। इसलिए वो ऐसी बातें कर रहे हैं। अभी 15 से 20 विधायक हमारे संपर्क में हैं। आने वाले दिनों में यह भी सामने आएगा। ऐसे में क्या महाराष्ट्र में फिर से सियासी भूकंप आने वाला है? यह चर्चा भी शुरू हो चुकी है।

जेल से बाहर आएंगे नवाब मलिक? हालत गंभीर, अगले सप्ताह बॉम्बे हाई कोर्ट याचिका पर करेगा सुनवाई

मुंबई: एनसीपी के नेता और पूर्व मंत्री नवाब मलिक की स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर है। यह मानते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मलिक की जमानत याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सहमत हो गया है। मलिक ने अपने वकील के जरिए हाई कोर्ट में पीएमएलए के प्रावधानों का हवाला देते हुए जमानत याचिका दायर की है। इस पर शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन न्यायमूर्ति एमएस कर्णिक की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई। पीठ ने मलिक और ईडी के वकील से यह स्पष्ट करने के लिए कहा था कि क्या मलिक को पीएमएलए के प्रावधानों के तहत उनकी जमानत तय करने के उद्देश्य से बीमार व्यक्ति माना जा सकता है। इस पर मलिक की तरफ से वरिष्ठ वकील अमित देसाई ने कई तर्क दिए। इसके बाद पीठ ने माना कि मलिक गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। इसके बाद पीठ ने अगले सप्ताह से मेरिट के आधार पर जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुई। पीठ मेरिट के आधार पर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत होने से पहले यह जानना चाहती थी कि मलिक की स्वास्थ्य की स्थिति कैसी है और क्या मामले में तत्काल सुनवाई की जरूरत है? मलिक की ओर से वरिष्ठ वकील देसाई और वकील कुशाल मोर ने तर्क दिया कि मलिक एक साल से अधिक समय से हिरासत में हैं। मलिक को किडनी की गंभीर समस्या है। एक किडनी खराब हो गई थी और दूसरी किडनी जिस पर वह जीवित हैं, वह भी कमजोर है।

भारत जोड़ो यात्रा मेरी राजनीतिक पारी का अंतिम पड़ाव हो सकती है : सोनिया गांधी

छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस के अधिवेशन में कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी ने शनिवार को राजनीति से संन्यास लेने की ओर इशारा किया है। उन्होंने कहा है कि "मनमोहन सिंह के सक्षम नेतृत्व के साथ 2004 और 2009 में हमारी जीत ने मुझे व्यक्तिगत संतुष्टि दी लेकिन मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मेरी पारी भारत जोड़ो यात्रा के साथ समाप्त हो सकती है, जो कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था।" उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस और पूरे देश के लिए एक चुनौतीपूर्ण समय है। बीजेपी-आरएसएस ने देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और उसे बर्बाद कर दिया है। कुछ व्यापारियों का पक्ष लेकर आर्थिक तबाही मचाई है। छत्तीसगढ़ की

2024 के लिए कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दिया नया नारा मनमोहन सरकार फॉर्मूले पर एकजुट होगा विपक्ष

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को अपने आवास पर 'ऑपरेशन गंगा (डायरी ऑफ अ पब्लिक सर्वेंट)' किताब का विमोचन किया।

इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक क्षमताओं पर बात की और कहा कि आज हम विश्व से मदद नहीं मांगते बल्कि बाकी देश संकट में हमारी ओर देखते हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन गंगा, कोरोना काल व अफगानिस्तान संकट में वहां फंसे सभी भारतीयों की बिना किसी खरोंच के स्वदेश वापसी कराई। सिर्फ भारतीयों की ही नहीं हमने अन्य देशों की भी मदद की। यूक्रेन में फंसे 18 देशों के 147 नागरिकों को भी हमने बचाया। ठाकुर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी

ने अपने मंत्रिमंडल के चार मंत्रियों को विशेष दूत बनाकर रूस-यूक्रेन से लगे देशों की सीमाओं पर भेजा। पोलैंड, स्लोवाकिया, रोमानिया, माल्डोवा, हंगरी जैसे देशों में हमारे मंत्रियों ने स्थानीय अधिकारियों से समन्वय कर छात्रों के लिए रहने के ठिकाने उपलब्ध कराए। हमारे मंत्री वहां तब तक रुके जब तक हमारे सभी बच्चे सकुशल वापस नहीं आ गए। केंद्रीय मंत्री ने ऑपरेशन गंगा में इंडियन एयरफोर्स द्वारा चलाये गए 13 विशेष अभियानों का भी उल्लेख किया। नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने की अनुराग से मुलाकात नेटफ्लिक्स के सीईओ टेड सारंडोस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात की।

प्रकाश आंबेडकर के बाद उद्धव को मिला दूसरा पार्टनर

केजरीवाल-उद्धव मुलाकात ने खोली गठबंधन की संभावना

मुंबई: बीजेपी से बीएमसी में महायुद्ध की तैयारी कर रही शिवसेना गुट को आम आदमी पार्टी में एक और नई आस दिखाई दे रही है। कुछ ही दिनों पहले दलित नेता प्रकाश आंबेडकर ने उद्धव की पार्टी के साथ राजनीतिक गठजोड़ की घोषणा की थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को जब उद्धव ठाकरे से मिलने उनके आवास पर पहुंचे, तो दोनों पार्टियों के बीच ऐसे ही संभावित गठजोड़ की संभावना उबरती दिखाई दे रही है। याद रहे कि शुरुआत में आंबेडकर ने तो एनसीपी नेता शरद पवार और उनकी पार्टी के साथ किसी तरह के गठबंधन में शामिल होने से इनकार कर दिया था। वे लगातार यह दबाव बनाते रहे कि उनकी पार्टी 'वंचित बहुजन आघाडी' के साथ गठजोड़ करके उद्धव ठाकरे की पार्टी एनसीपी और कांग्रेस से नाता तोड़ ले। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। गठजोड़ की अधिकृत घोषणा के समय आंबेडकर कांग्रेस और एनसीपी को व्यापक गठबंधन में शामिल होने का न्योता देते

दिखाई दिए। फॉर्म्यूला यह कि उद्धव उनकी तरफ से एनसीपी-कांग्रेस ने बातचीत करेगी। जैसे आंबेडकर को एनसीपी से एक तरह की एलर्जी रही है, कुछ वैसी ही दूरी आम आदमी पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के साथ बना रखी है। इसका उसे फायदा भी मिला है। दिल्ली के बाद पंजाब में कांग्रेस के क्षय से आप का पलड़ा भारी हुआ है। वैसे, आप मुंबई महानगरपालिका चुनाव लड़ने की घोषणा पहले ही कर चुकी है, लेकिन ऐसी स्थिति बनती दिखाई नहीं दी है कि वह अपने बूते पर ये चुनाव लड़कर कोई करिश्मा दिखा सके। उसे किसी साथी की जरूरत पड़ सकती है। वामपंथी भी आएंगे साथ!

बीजेपी के खिलाफ शिवसेना की धुरी पर जो जमावड़ा बन रहा है, उसके बाद अब ज्यादा विकल्प बचे नहीं रहे गए हैं। वामपंथी नेता पहले ही उद्धव से मुलाकात करके बढ़ती नजदीकी के संकेत दे चुके हैं। समाजवादी पार्टी थोड़ी खिंची-खिंची सही, मगर पहले से ही आघाडी का हिस्सा है। समता पार्टी से लेकर जनता दल के विविध धड़े भी शायद अंत में इसी धुरी पर एकत्र नजर आए, तो राजनीतिक विश्लेषकों को आश्चर्य नहीं होगा। बची रह गई एआईएमआईएम से गठबंधन करने में आप को शायद यह दिक्कत आए कि उसको फिलहाल जो प्रतिसाद मिल रहा है, वह मुस्लिम बहुल इलाकों में है। सीटों को लेकर वाद बना रहेगा। क्या है मुंबई का सियासी समीकरण? बीजेपी के खिलाफ बंगाल में ममता बैनर्जी, पंजाब में आप और बिहार में तेजस्वी यादव के पक्ष में जैसा ध्रुवीकरण दिखाई दिया है, मुंबई की लड़ाई भी उद्धव ठाकरे के आसपास सिमट जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। शिवसेना तोड़कर पार्टी का नाम छीनने का रणनीति बीजेपी के पक्ष में जाती दिखाई दे रही हो, मगर शिवसेना की शाखाओं में वैसी चीर पड़ती दिखाई नहीं दे रही। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी मुंबई में शिवसेना भवन को चुनौती देने की बजाय ठाणे में अपनी पार्टी का मुख्यालय बनाने का मन बना लिया है। वैसे, शिंदे के अलावा बीजेपी के साथ दलित नेता रामदास आठवले ढाल की तरह खड़े हैं। राज ठाकरे की पार्टी मनसे के साथ बीजेपी के आने का चर्चा अर्से से चल रही है, मगर अब नया संकट है कि क्या गठबंधन बनाते समय वह मनसे को बड़ी शक्ति स्वीकार करके शिंदे की पार्टी को खुद छोटा दिखाने का खतरा उठा सकेगी। ऐसे में, मनसे अलग चुनाव लड़कर उद्धव की पार्टी के वोट काटे, यही समीकरण ज्यादा फायदेमंद बताया जाने लगा है।

संयुक्त अरब अमीरात में युद्धाभ्यास करेगी IAF, भारत में बने तेजस विमानों की ताकत देखेगी दुनिया

भारतीय वायुसेना संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले बहुपक्षीय युद्धाभ्यास में शिरकत करेगी। यह युद्धाभ्यास संयुक्त अरब अमीरात में 27 फरवरी से शुरू होगा और 17 मार्च तक चलेगा। इस युद्धाभ्यास को एक्स डेजर्ट फ्लैग नाम दिया गया है। खास बात ये है कि इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना पांच लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस और दो सी-17 के साथ शिरकत करेगी। बता दें कि एलसीए तेजस का निर्माण भारत में ही हुआ है। यह पहली बार है कि भारतीय वायुसेना ने भारत में बने एलसीए तेजस फाइटर विमानों को देश से बाहर किसी युद्धाभ्यास में शामिल किया है। युद्धाभ्यास डेजर्ट फ्लैग एक बहुपक्षीय युद्धाभ्यास है और इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के साथ ही यूएई, फ्रांस, कुवैत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, बहरीन, मोरक्को, स्पेन, दक्षिण कोरिया और अमेरिका की वायुसेना शिरकत करेंगी। भारतीय वायुसेना का कहना है कि इस युद्धाभ्यास का मकसद विविध लड़ाकू गतिविधियों में शामिल होना और दुनिया की बेहतरीन वायुसेनाओं के साथ अभ्यास करना है। बता दें कि तेजस ने अपनी पहली उड़ान जनवरी 2001 में भरी थी। इसके बाद साल 2016 में इसे भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया। तेजस की खासियत के बारे में बात करें तो तेजस विमान यह आठ से नौ टन लोड लेकर उड़ान भरने में सक्षम है। तेजस सुखोई फाइटर जेट के बराबर हथियार और मिसाइल ले जा सकता है, जबकि सुखोई का वजन तेजस के मुकाबले काफी कम है। तेजस विमान की सबसे बड़ी खासियत इसकी स्पीड है। यह एयरक्राफ्ट ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेजी से उड़ सकता है। 52 हजार फीट की ऊंचाई पर यह मैक 1.6 से 1.8 तक की स्पीड से उड़ान भर सकता है।

तेजस में कई आधुनिक उपकरण लगे हुए हैं, जिनमें इस्राइल में विकसित किया गया रडार शामिल है। हवा में ही इसमें ईंधन भरा जा सकता है और यह दुश्मन देश के रडार को चकमा देने की भी ताकत रखता है।

उग्र तत्वों पर लगे अंकुश

पंजाब के अजनाला थाने में जो कुछ वह हुआ, वह सामान्य नहीं है। लवप्रीत की गिरफ्तारी के बाद अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने थाना घेर लिया था। इसके बाद पंजाब पुलिस बेबस नज़र आई।

पंजाब के अमृतसर में गुरुवार को अजनाला पुलिस स्टेशन में जो दृश्य दिखा, उसे किसी भी तरह से सामान्य नहीं बताया जा सकता। मीडिया रिपोर्टों से सामने आए इसके ब्योरे डराने वाले हैं। अपहरण और मारपीट के एक मामले में FIR दर्ज होने के बाद पुलिस कुछ लोगों को गिरफ्तार करती है। गिरफ्तार हुए लोग एक स्थानीय संगठन से जुड़े बताए जाते हैं, जिसका कहना है कि ये लोग बेकसूर हैं और इन्हें तत्काल छोड़ा जाना चाहिए। पुलिस इस दलील को स्वीकार नहीं करती है। इसके बाद पुलिस पर दबाव बनाने के लिए संगठन की अपील पर समर्थक थाने का घेराव करते हैं। बड़ी संख्या में तलवार, बंदूक और लाठियों से लैस भीड़ बैरिकेड्स तोड़ते हुए थाने में घुस जाती है। इस दौरान कई पुलिस वाले घायल होते हैं। इसके बाद पुलिस मान जाती है कि समर्थकों का दावा सही है। उसका कहना है कि समर्थकों द्वारा दिए गए सबूतों से साफ हो गया कि संबंधित व्यक्ति बेकसूर है और इसीलिए पुलिस ने उसे रिहा करना स्वीकार कर लिया। यह पूरा मामला न केवल संदेहों से भरा है बल्कि राज्य में कानून-व्यवस्था की

स्थिति और पुलिस के मनोबल पर बेहद खराब टिप्पणी है। सच है कि हाल के महीनों में पंजाब में ऐसी कई घटनाएं हुईं, जिनसे वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं, लेकिन गुरुवार की घटना ने इन सबको पीछे छोड़ दिया। अगर पुलिस से गलती भी हुई हो तो उसके खिलाफ धरने-प्रदर्शन करने का शांतिपूर्ण विकल्प लोगों के पास मौजूद है, जिसका इस्तेमाल देश भर में लोग करते रहे हैं। यहां जिस तरह से तलवारें लिए लोग पुलिस स्टेशन में घुसे, उसे धरना-प्रदर्शन तो कतई नहीं कहा जा सकता। जहां तक पुलिस का सवाल है तो FIR दर्ज करने और उसमें गिरफ्तारी करने से पहले क्या घटना से जुड़े तथ्यों को खंगाल लेना उसकी जिम्मेदारी का हिस्सा नहीं होता? अगर फिर भी, उससे गलती हो गई थी तो जब संगठन से जुड़े लोग अपीलें करते हुए इस गलती को सुधारने की मांग कर रहे थे, तब उसने फैसले पर पुनर्विचार करने की जरूरत क्यों नहीं महसूस की? जब लोग तलवारें लिए थाने में घुसे, तभी क्यों उसे यह इल्म हुआ कि उससे गलती हुई है? जाहिर है, यह मामला गलती को सही करने का उतना नहीं लगता, जितना पुलिस के दबाव में झुकने का। पुलिस की किसी कार्रवाई का सही या गलत होना अदालती प्रक्रिया में तय होता है। अगर इस तरह हथियारबंद भीड़ के कहे मुताबिक चीजें तय होने लगें तो कानून के राज का भला क्या मतलब रह जाएगा? कुछ हलकों से ऐसे आरोप भी सामने आए हैं कि उस संगठन से जुड़े लोग खालिस्तान समर्थक हैं। उस पहलू से भी मामले की जांच हो, यह तो ठीक है, लेकिन यहां मसला कानून-व्यवस्था का है। किसी संगठन को कानून हाथ में लेने और पुलिस-प्रशासन को इस तरह बंधक बना लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

गुटबाजी खत्म हो, तभी सुधरेगी कांग्रेस की हालत

आठ दशक के लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस को अपने पूर्ण अधिवेशन के लिए मध्य भारत की याद आई है। छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में 24 से 26 फरवरी तक यह अधिवेशन ऐसे समय हो रहा है, जब देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार दो लोकसभा चुनाव हारने के बाद उसे अगले साल फिर लोकसभा चुनाव का सामना करना है। बेशक उससे पहले इसी साल नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ भी शामिल है। मध्य भारत में इससे पहले 1939 में कांग्रेस का पूर्ण अधिवेशन हुआ था। जबलपुर के निकट त्रिपुरी में हुए उस अधिवेशन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस कांग्रेस अध्यक्ष थे।

मध्य भारत से उम्मीद

अभूतपूर्व संकटकाल में पूर्ण अधिवेशन के लिए मध्य भारत को चुनने के निश्चय ही कुछ कारण हैं।

जब कमोबेश पूरे उत्तर भारत में कांग्रेस हाशिये पर खिसक चुकी है, मध्य भारत ने कम-से-कम विधानसभा चुनावों में तो उसका हाथ थामे रखा है। वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनावों में राजस्थान के अलावा जिन राज्यों के मतदाताओं ने कांग्रेस को बीजेपी पर वरीयता दी, उनमें मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ शामिल थे। बेशक, 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के दलबदल से मध्य प्रदेश में मामूली बहुमत वाली कांग्रेस सरकार धराशायी हो गई, पर छत्तीसगढ़ में पूर्ण बहुमत के साथ वह आज भी टिकी हुई है। हिंदीभाषी क्षेत्रों में लगभग अजेय बन चुकी बीजेपी को अगर कांग्रेस कहीं टक्कर दे सकती है, तो वे राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा ही हैं। अपनी सरकार हो तो ऐसे आयोजन आसान हो जाते हैं। छत्तीसगढ़ को चुनने की एक और वजह यह है कि राजस्थान के उदयपुर में पिछले साल पार्टी का चिंतन शिविर हो चुका है। उदयपुर चिंतन शिविर से जो निकला, वह सबके सामने है। लंबे अंतराल के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के रूप में कांग्रेस को नेहरू परिवार से बाहर का निर्वाचित अध्यक्ष मिल चुका है। पार्ट टाइम नेता बताए जाने वाले राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर से भी लंबी भारत जोड़ो यात्रा कर चुके हैं। इन सबसे राहुल की छवि सुधरने या हताश कांग्रेस में उम्मीद की किरण दिखने से इनकार नहीं किया जा सकता। फिर भी कांग्रेस के सामने चुनौतियों का पहाड़ है। बदलते हालात में खुद की प्रासंगिकता साबित करने वाली नई राजनीतिक

दृष्टि और राह कांग्रेस को खोजनी होगी। सवाल यह है कि क्या नया रायपुर में वह ऐसा कर पाएगी? यह बात सही है कि कांग्रेस में गुटबाजी हमेशा रही है, लेकिन तब आलाकमान इतना शक्तिशाली होता था कि अपनी सुविधा के अनुसार सभी पक्षों में संतुलन बनाए रखता था। अब चुनाव-दर-चुनाव पराजय से आलाकमान की चुनाव जिताऊ क्षमता पर ही सवालिया निशान लगने शुरू हो गए हैं, तो क्षत्रप उसे आंखें दिखाने से नहीं चूकते। पिछले साल के दो प्रकरण याद करिए। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की उम्मीदवारी तय थी, लेकिन वह सचिन पायलट के बजाय अपने विश्वस्त को राज्य की कुर्सी देने पर अड़ गए। शायद पहली बार ऐसा हुआ कि पर्यवेक्षकों द्वारा बुलाई गई विधायक दल की बैठक के समानांतर बैठक ही नहीं हुई, बल्कि सामूहिक इस्तीफे का दांव भी खेला गया। इसके बावजूद आलाकमान गहलोत के बजाय मल्लिकार्जुन खरगे को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाने से ज्यादा कुछ आज तक नहीं कर सका।

दूसरा प्रकरण हरियाणा का है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के पास अपना राज्यसभा उम्मीदवार जिताने लायक विधायक-मत थे, लेकिन फिर भी जीत गया सत्तारूढ़ बीजेपी-जेजेपी गठबंधन समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार। जगह-जगह टकराव राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में तमाम गुटों के नेताओं ने साथ-साथ फोटो तो खिंचवाई, लेकिन उनके रिश्तों में खिंचाव आज भी बरकरार है। यह समस्या राजस्थान और हरियाणा तक ही सीमित नहीं है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के दो दिग्गजों- नाना पटोले और बाला साहेब थोराट- में टकराव चरम पर है। दोनों एक-दूसरे के साथ काम करने को तैयार नहीं हैं। इसी साल खरगे के गृह राज्य कर्नाटक में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस को वहां सत्ता में लौटने की उम्मीद है, लेकिन इस राज्य में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के बीच छत्तीस का आंकड़ा है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और स्वास्थ्य मंत्री टीके सिंहदेव के बीच महत्वाकांक्षाओं का टकराव भी किसी से छिपा नहीं है। तेलंगाना में भी इसी साल चुनाव होने हैं, जहां वफादार और प्रवासी कांग्रेसियों में वाकयुद्ध चल रहा है।

राज्य-दर-राज्य गुटबाजी पर अंकुश लगाना कांग्रेस के पुनरुत्थान की पहली शर्त है। यह अप्रत्याशित नहीं है कि रायपुर अधिवेशन में अपना चुनावी अजेंडा तय करते हुए अंतिम दिन 26 फरवरी को होने वाली जनसभा में कांग्रेस न सिर्फ छत्तीसगढ़ विधानसभा, बल्कि अगले लोकसभा चुनाव का बिगुल भी फूंक देगी। कथनी और करनी पूर्ण अधिवेशन में पारित किए जाने वाले राजनीतिक, आर्थिक, अंतरराष्ट्रीय मामले, किसान एवं कृषि, सामाजिक न्याय एवं सशक्तीकरण तथा युवा एवं रोजगार विषयक सभी छह प्रस्तावों के जरिए स्वाभाविक ही बीजेपी और उसकी केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाएगी, लेकिन कांग्रेस की कथनी को उसकी अतीत की करनी की कसौटी पर भी कसा ही जाएगा। बेशक फैसले की वह घड़ी मतदान के वक्त आएगी, लेकिन अपनी बात आक्रामक और विश्वसनीय ढंग से मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए नेताओं में परस्पर समन्वय और संगठन में अनुशासित ऊर्जा की जरूरत होगी। इस कसौटी पर कांग्रेस का अतीत का प्रदर्शन बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं जगाता। कहने की जरूरत नहीं कि अस्तित्व बचाने के लिए भी कांग्रेस को इन कमजोरियों से उबरना होगा।

पराग जोबनपुत्रा

बिन पहिए की गाड़ी पर नवाब साहब की सवारी

बूचा, हवादार, म्याना, सुखपाल और बहल... चौंकिए मत। ये अवध के नवाबों की उन सवारियों के नाम हैं, जो न सिर्फ उनकी बल्कि उनके चहेते विद्वानों, हकीमों, रईसों, अमीरों और शाहजादों की आन, बान और शान का भी परिचय देती थीं। वैसे ही जैसे हाथी-घोड़े और कभी-कभी ऊंट भी। नवाब किसी राजकाज के सिलसिले में या यों ही तफरीह या फिर हवाखोरी के लिए सजधजकर इनमें से किसी पर भी निकलते, तो लोग-बाग हसरत से उन्हें निहारते ही रह जाते। और जब उनकी बेगमें सुखपालों, रथों, डोलियों और पालकी वगैरह में आती-जातीं, तब भी।

हां, अच्छी बात यह थी कि पैदल चलने वालों को भी हिकारत की निगाह से नहीं देखा जाता था और सैर-सपाटे आम तौर पर पैदल ही किए जाते। लखनऊ के जाने-माने इतिहासकार अब्दुल हलीम 'शरर' ने लिखा है कि हर वर्ग और हर दर्जे के लोग एक जैसी हालत में पैदल सैर को निकलते। और ये सब बड़े से बड़े रईसों या फिर अमीरों के बराबर में ही बैठते। न कोई उन्हें देखकर नाक भौं सिकोड़ता, न दूर हटने को कहता।

दरअसल, वह मोटरों, लंबी-चौड़ी फिटनों, गाड़ियों के साथ-साथ लंबी-चौड़ी सड़कों से पहले का दौर था, और इन सवारियों की खासियत यह थी कि वे तंग रास्तों से भी बड़े आराम से गुजर जाती थीं। इनमें बूचा नाम पढ़कर अगर आपको हिंदी के अपने वक्त के बड़े कवि रघुवीर सहाय की 'राष्ट्रगीत' शीर्षक वह कविता याद आ रही है, जिसमें उन्होंने लिखा था- 'पूरब पश्चिम से आते हैं नंगे-बूचे नर कंकाल,' और उसके नंगे-बूचों से किसी रिश्ते की कल्पना करने लगे हैं, तो अपनी गलतफहमी दूर कर लीजिए।

बूचा उस वक्त की सबसे प्रतिष्ठित सवारी थी और उसका नंगे-बूचों से कोई वास्ता नहीं था। शक्ल के मामले में वह ऐसी गाड़ी जैसी होती थी, जिसमें पहियों की जगह पाये लगे हों। नवाब वाजिदअली शाह को 1856 में जब अंग्रेजों ने अपदस्थ कर कलकत्ता के मटियाबुर्ज में निर्वासित कर दिया, तब भी वह बूचा की ही सवारी करते थे, जिसे कम से कम आठ और अक्सर सोलह कहार अपने कंधों पर उठाकर चलते थे। यह सवारी कहारों की उठाई जाने वाली सबसे भारी सवारी थी। वाजिदअली शाह उस पर सवार होकर बागों, महलों और कोठियों में नमूदार होते तो उनके इर्द-गिर्द जुलूसी खिदमतगार, अफसर, सिपाही और मुसाहिब पैदल चलते।

उनसे पहले के कई नवाबों को हवादार की सवारी पसंद थी, जो टमटम जैसी खुली डोली हुआ करती थी और चार कहारों के कंधों पर चलती थी। उसकी खुशनुमा नफासत शाहजादों और रईसों को भी खूब भाती थी। हवादार के बरक्स सुखपाल को बेगमों की सबसे इज्जत की सवारी माना जाता था, जो सुर्ख गुंबदनुमा डोली जैसा होता था। उसमें एक लंबे-चौड़े खटोले पर सोने-चांदी के कलश वाला शानदार लाल बुर्ज बना होता था, और उसके चारों ओर पर्दे लटके होते थे।

रथ भी सुखपाल से मिलती-जुलती सवारी ही था, लेकिन सुखपाल के विपरीत उसमें पहिए लगे होते थे और वह कहारों के नहीं बल्कि बैलों के कंधों पर चलता था। बताते हैं कि नवाबों के सुनहरे दौर में लखनऊ में उनकी बेगमों की सेवा के लिए हजारों रथ चौबीसों घंटे मुस्तैद रहते थे। क्या पता, किस बेगम को कब कहां जाने की जरूरत महसूस हो जाए! ऐसे में भला कौन यह जोखिम उठाता कि रथ तैयार न मिले और बेगम का चढ़ा हुआ पारा खादिमों की शामत बन जाए।

पालकी का एक नाम पीनस भी था। पालकी और बहल में मर्द भी सफर करते थे, औरतें भी। अलबत्ता, औरतों के लिए उन्हें अलग तरह से सजाया जाता था, जिसमें औरतों की अवस्था और रुतबे का खास खयाल रखा जाता था। पालकी के लिए चार कहारों की जरूरत पड़ती थी और उस पर जनानी बैठे तो एक कहारन की भी, जबकि बहल बैलों की आम गाड़ी थी। मध्यम वर्ग के देहाती और शहरी, दोनों सफर के लिए इन्हीं दोनों पर निर्भर करते थे। 1775 में नवाब शुजाउद्दौला के निधन के बाद 'बहू बेगम' नाम से प्रसिद्ध उनकी बेगम उम्मत-उज-जोहरा की अपने बेटे आसफउद्दौला से पटरी नहीं बैठी और उन्होंने उसके साथ लखनऊ जाने के बजाय फैजाबाद में ही रहने का फैसला किया, तब उनके पास भी आठ-नौ सौ रथ थे।

भूपत सांवलिया

गर्मी अभी दूर है, फिर क्यों तप रही फरवरी

किरीट ए. चावड़ा

फरवरी खत्म होने में अभी देर है, मगर देश के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री को छू रहा है। फरवरी का सुहाना मौसम कुछ सालों से बीती बात बन चुका है। जनवरी की ठंड के बाद अचानक गर्मी शुरू हो रही है। मैदान तो मैदान, पहाड़ भी अभी से गर्म होने लगे हैं। हालत यह है कि पहाड़ी फलों के पेड़ों में वक्त से पहले ही फूल आ गए हैं। 2022 के बाद लगातार 2023 में भी गर्मी का यही ट्रेंड दिख रहा है।

गर्म होती धरती फरवरी के तीसरे हफ्ते में ही पश्चिमी हिमालय और उत्तर पश्चिमी मध्य भारत में तापमान तेजी से बढ़ा है। राजधानी दिल्ली सामान्य से 6 डिग्री अधिक गर्म है। गुजरात के भुज में तापमान 40 डिग्री पर पहुंच चुका है। राजस्थान के कुछ हिस्सों में भी अधिकतम तापमान सामान्य से 5 से 7 डिग्री अधिक चल रहा है। जम्मू-कश्मीर, शिमला का भी यही हाल है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, देश में 16 फरवरी को खत्म हुए हफ्ते में औसत अधिकतम तापमान 27.52 डिग्री था। यह 1981-2010 के औसत से 0.39 डिग्री अधिक है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र में इस साल 16 फरवरी को समाप्त होने वाला हफ्ता 1951 के बाद सबसे गर्म रहा। राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, ओडिशा और मिजोरम देश के 10 सबसे गर्म स्थानों में एक रहे। 1951 के बाद से 20 सबसे गर्म हफ्ते वाले राज्यों में पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड और तमिलनाडु शामिल हैं। आमतौर पर उत्तरी भारत का मौसम वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से काफी प्रभावित होता है। सामान्य तौर पर फरवरी में छह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आते हैं। इस बार ये आ तो रहे हैं लेकिन काफी कमजोर हैं। इसलिए न बारिश दे पा रहे हैं, न पहाड़ों पर बर्फबारी करवा पा रहे हैं। इनके बीच का अंतर भी काफी कम है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के आने से उत्तरी भारत में ठंडी हवाओं का आना रुक

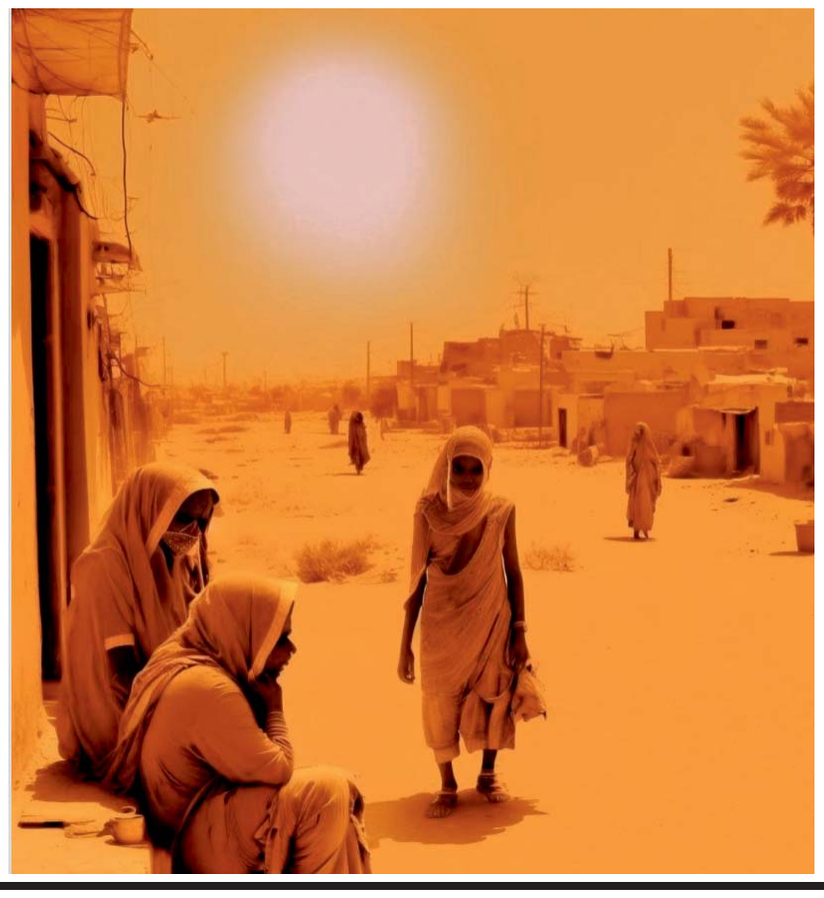

जाता है। जब इनके बीच अंतर होता है तो उस दौरान ठंडी हवाएं आती हैं और मौसम ठंडा कर देती हैं। यह भी समझना होगा कि अब गर्मी बढ़ना सामान्य हो गया है। लगभग हर साल और हर महीना पहले वाले से थोड़ा अधिक गर्म हो रहा है।

पूर्वी प्रशांत महासागर में ला-नीना के बावजूद 2020 सबसे गर्म सालों में एक था। आमतौर पर ला-नीना के कारण तापमान में कमी आती है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

इसकी वजह क्लाइमेट चेंज को माना जा रहा है। फिर मौसम में जो बदलाव आ रहे हैं वह एक-दो वर्षों की बात नहीं है। पिछले 20-25 सालों से वसंत ऋतु छोटी होती जा रही है। सर्दियों के बाद सीधे गर्मी शुरू हो जाती है।

तापमान के बढ़ने का असर यह देखने को मिल रहा है कि बारिश का पैटर्न बदल गया है। अरब सागर में तेज चक्रवातों की आवृत्ति बढ़ गई है। वहीं हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और महासागर गर्म हो रहे हैं। हिंद महासागर का जलस्तर बढ़ रहा है। तापमान बढ़ने से सीजन तेजी से बदल रहा है, जिसकी वजह से जीव-जंतुओं को उसके अनुसार खुद को ढालने में दिक्कत हो रही है। इस वजह से कई जीव विलुप्त हो सकते हैं।

फिर फसलों पर भी इसका असर पड़ रहा है। जिस तरह से तापमान बढ़ रहा है, गेहूं उत्पादन कम होने की समस्या बढ़ रही है। गुठलीदार फलों के वृक्षों में फूल समय से पहले आ रहे हैं।

गलत शहरीकरण

भारतीय शहरों का स्वरूप पिछले कुछ दशकों में तेजी से बदला है। हरियाली में कमी आ रही है। विकास के नाम पर पेड़ काटे जा रहे हैं। इमारतों की संख्या और ऊंचाई बढ़ रही है। घरों में एसी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। पक्की सड़कों और फ्लाईओवर का विस्तार तेजी से हो रहा है।

ऐसे में शहर को अब अर्ब नहीट आइलैंड कहा जाने लगा है। अगर हवा की गति कम है, तो शहरों को अर्ब नहीट आइलैंड बनते आसानी से देखा जा सकता है।

सिनेबस्टर मैगजीन प्रेजेंट्स एनएमआईएमएस (एमपीएसटीएमई) के यूथ फेस्टीवल "सत्त्वा 2023" में स्पेशल गेस्ट रॉनी रॉड्रिग्स, प्रेरणा चौहान, दिलीप सेन, संदीप सोपारकर ने स्टूडेंट्स को इनाम देकर बढ़ाया हौसला

सिनेबस्टर मैगज़ीन प्रेजेंट्स एनएमआईएमएस (एमपीएसटीएमई) के यूथ फेस्टीवल "सत्त्वा 2023" में स्पेशल गेस्ट रॉनी रॉड्रिग्स (सिनेबस्टर के मालिक), प्रेरणा चौहान, संगीतकार दिलीप सेन, कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर उपस्थित रहे। सभी ख़ास अतिथियों ने यहां बच्चों का हौसला बढ़ाया और उन्हें इनाम से नवाजा। सिनेबस्टर मैगज़ीन प्राइवेट लिमिटेड के ओनर रॉनी रोड्रिग्स ने एनएमआईएमएस (मुकेश पटेल स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट इंजीनियरिंग) के यूथ फेस्टिवल सत्त्वा २००२३ में मीडिया से बात करते हुए कहा कि स्टूडेंट्स खूब मेहनत करें, अपने टैलेंट को दुनिया के सामने रखें। उन्हें कामयाबी जरूर मिलेगी। कोई कभी भी अपने स्कूल और कॉलेज के दिनों को नहीं भूलता। बेशक यहां आकर मुझे भी अपने कॉलेज डेज याद आ गए, मगर यहाँ बच्चों का टैलेंट देखकर मैं अचंभित हूँ।म्युज़िक डायरेक्टर दिलीप सेन ने बताया कि मैं संगीतकार होने से पहले डांस मास्टर था। यहां मुझे वो समय याद आ गया जब मैं बच्चों को डांस सिखाया करता था। युवाओं के बीच इस तरह आने में हम भी अपने आप को यंग फील करने लगते हैं। इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन और रॉनी जी, संदीप जी और मुझ जैसे लोगों द्वारा स्टूडेंट्स को इनाम सम्मान दिया जाता है तो उनका हौसला बढ़ता है उन्हें मोटिवेशन मिलती है।इस तरह के यूथ फेस्टिवल में हमारे देश के अलग अलग प्रान्त के गीत संगीत को देखने सुनने का मौका मिलता है।

इस प्रकार के फंक्शन के आयोजन से युवाओं में हमारी सभ्यता संस्कृति की समझ बढ़ेगी। आज के गाने बहुत कम समय के लिए याद रखे जाते हैं जबकि दिलीप सेन समीर सेन को लोग 90 के दशक के संगीत की वजह से जानते हैं। रॉनी रॉड्रिग्स ने कहा कि संगीत जीवन की बुनियाद है, चाहे सुख हो या दुख, गीत संगीत हर सिचुएशन के अनुसार मौजूद हैं। कोरियोग्राफर संदीप सोपारकर ने कहा कि सत्त्वा फेस्टिवल में आकर मुझे अपने कॉलेज के दिन याद आ गए। हालांकि हमारे समय इतने सारे कार्यक्रम नहीं होते थे लेकिन आज के युवा काफी आगे हैं वह अपनी प्रतिभा खुलकर पेश करते हैं। मैं रॉनी रॉड्रिग्स जी का शुक्रिया अदा करता हूँ कि इस बेहतरीन आयोजन में उनका भरपूर सहयोग रहा और मुझे उन्होंने यहां आमंत्रित किया। यहां स्टूडेंट्स के बीच काफी पॉज़िटिव एनर्जी मिलती है। यहां जिस तरह सिंगर्स, म्यूजिशियन और डांसर्स ने परफॉर्मेंस पेश की वह लाजवाब है। आज के बच्चे बेहद भाग्यशाली हैं कि उन्हें यह सब देखने, सीखने समझने को मिल रहा है। इंटरनेट और डिजिटल क्रांति की वजह से छोटे शहरों, गांवों से प्रतिभाएं सामने आई हैं, यह सब देखकर अच्छा लगता है, पहले लोगों को मौका नहीं मिलता था। मैं युवाओं से कहूंगा कि आप अपनी प्रतिभा को निखारने संवारने के लिए ट्रेनिंग लें, रिहर्सल करें फिर आपको मंज़िल तक पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। बेहद खूबसूरत नजर आ रही प्रेरणा चौहान ने बताया कि यहां मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

मैं खुद एक कॉलेज स्टूडेंट हूँ तो अपने साथियों की यह परफॉर्मेंस देखकर मुझे काफी मोटिवेशन मिल रहा है। मैं रॉनी सर को धन्यवाद कहती हूँ कि उन्होंने मुझे यहां बुलाकर यह अवसर दिया। कॉलेज स्टूडेंट्स के बीच से भी नई प्रतिभाएं निकल कर सामने आ रही हैं। रॉनी सर इस तरह के इवेंट्स को स्पांसर करके दरअसल हमारी युवा पीढ़ी के हौसलों को पंख दे रहे हैं। सिनेबस्टर मैगज़ीन विजेता कॉलेज टीम को एक विशेष उपहार के रूप में ३ रातों और ४ दिनों के लिए एक लक्जरी ५ स्टार होटल में रहने का इंतेजाम करेगी, साथ ही ठहरने के दौरान किए गए सभी भोजन खर्च का भुगतान करेगा और मुंबई-गोवा-मुंबई के फ्लाइट टिकट का प्रबंध भी करेगा। यह रॉनी रोड्रिग्स की ओर से स्पेशल तोहफा रहा।मीडिया प्रमोशन्स की जिम्मेदारी मुंडे मीडिया पीआर द्वारा बखूबी निभाई गई।

फिल्म "मैं राजकपूर हो गया" के स्पेशल स्क्रीनिंग पर मानव सोहल, श्रावणी गोस्वामी सहित कई सेलेब्रिटीज रहे उपस्थित

बॉलीवुड और टीवी जगत के कई विशिष्ट गेस्ट्स की उपस्थिति में मानव सोहल, श्रावणी गोस्वामी स्टारर फ़िल्म "मैं राजकपूर हो गया" का स्पेशल स्क्रीनिंग मुंबई के फन रिपब्लिक सिनेमा में किया गया। फ़िल्म से जुड़ी पूरी टीम के साथ "देहाती डिस्को" के डायरेक्टर मनोज शर्मा, टीवी एक्ट्रेस वैष्णवी उपाध्याय के साथ साथ कई मेहमान मौजूद रहे। सभी ने फ़िल्म को पसन्द किया।स्क्रीनिंग के अवसर पर मुख्य अभिनेता मानव सोहल, श्रावणी गोस्वामी, अर्शिन मेहता, स्मिता डोंगरे ,कांचन पंधारे और निर्मा तामुकेश शर्मा व अर्पित गर्ग के अलावा फ़िल्म की टीम मौजूद रही। यहां मेहमानों ने कहा कि राजकपूर की फिल्मों और उनके अंदाज़, उनके किरदारों, उनके गीतों को यह फ़िल्म याद दिला देती है। मानव सोहल ने सही मायने में महान शो मैन को ट्रिब्यूट प्रस्तुत किया है।एक्टर डायरेक्टर मानव सोहल यहाँ अपनी फ़िल्म मैं राजकपूर हो गया को मिल रहे रेस्पॉन्स से बेहद खुश और उत्साहित नज़र आए। उन्होंने कहा कि हम सब ने एक अच्छी नियत के साथ एक फील गुड फिल्म बनाई है। ऑडिएंस का रिएक्शन काफी बेहतर आ रहा है।बता दें कि मानव सोहल न केवल इसके एक्टर डायरेक्टर हैं बल्कि उन्होंने इसकी बेहतरीन कहानी लिखी है, गीत लिखे हैं और एक मनोरंजक सिनेमा बनाया है।फ़िल्म की अभिनेत्री श्रावणी गोस्वामी ने बताया कि इस फ़िल्म की कहानी काफी इमोशनल है। कई सीन में दर्शक की आंखों में आंसू नज़र आए, यह निर्देशक की जीत है।नर्गिस जैसा लुक रखने वाली अभिनेत्री अरशीन मेहता भी यहां काफी खूबसूरत नज़र आ रही थीं।

अक्टूबर को 'हिंदू विरासत माह' घोषित करने का प्रस्ताव

वाशिंगटन। भारतीय मूल के एक अमेरिकी सांसद ने ओहायो सीनेट में हिंदू समुदाय के योगदान को पहचान देने के लिए अक्टूबर को 'हिंदू विरासत माह' घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है। ओहायो के इतिहास में पहले हिंदू और भारतीय-अमेरिकी स्टेट सीनेटर नीरज अंतानी ने बुधवार को यह प्रस्ताव पेश किया। रिपब्लिकन पार्टी के नेता अंतानी ने कहा, 'ओहायो में अक्टूबर को 'हिंदू विरासत माह' घोषित करने से हमारे राज्य में हिंदू अमेरिकियों के योगदान को पहचान मिलेगी।' अगर यह प्रस्ताव पारित हो जाता है तो ओहायो अमेरिका में तीसरा राज्य होगा जो इस पहचान को कानून का रूप देगा।

राधिका मदान स्टारर 'सना' सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपने प्रीमियर में शानदार समीक्षा के साथ खुली

राधिका मदान अभिनीत राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया की सना का सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में नॉर्थ अमेरिकन प्रीमियर हुआ और इसे दिल को छू लेने वाली प्रतिक्रिया मिली।सांता बारबरा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल में से एक है और एकेडमी अवार्ड नॉमिनीज के लिए फर्स्ट-स्टॉप फेस्टिवल है।सना इकलौती भारतीय फिल्म है, जिसे फेस्टिवल में दिखाया गया।डायरेक्टर सुधांशु सरिया ने बताया, "मैंने सोचा था कि एक विशिष्ट दर्शकों के लिए बनाई गई एक विशिष्ट फिल्म तेजी से एक बहुत ही यूनिवर्सल फिल्म बन गई है जो हर जगह दर्शकों के साथ जुड़ रही है। यह हमारे पहले अमेरिकी दर्शकों के लिए एक पूर्ण रोमांचकारी स्क्रीनिंग थी और मुझे सांता बारबरा में मिली प्रतिक्रिया से अधिक भावुक, भावनात्मक और रोमांचकारी प्रतिक्रिया नहीं मिल सकती थी।मेरा दिल भर आया है और मैं हमारे अद्भुत कलाकारों और क्रू के लिए सारा प्यार वापस घर लाने का इंतजार नहीं कर सकता।"राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुधांशु सरिया द्वारा लिखित और निर्देशित, सना एक महत्वाकांक्षी और जिद्दी महिला के बारे में एक आत्मनिरीक्षण नाटक है जो अनसुलझे आघात के कारण आंतरिक लड़ाई लड़ रही है। फिल्म में राधिका मदान, सोहम शाह, शिखा तलसानिया और पूजा भट्ट मुख्य भूमिका में हैं। सना ने हाल ही में 26वें टालिन ब्लैक नाइट्स फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर किया था, जिसमें दर्शकों की भीड़ थी और समीक्षकों की जबरदस्त प्रशंसा थी।सरिया की आगामी प्रोजेक्ट्स में अमेज़ॉन प्राइम वीडियो के लिए एक यंग अडल्ट शो, जंगली पिक्चर्स के साथ उलाज नामक एक स्पाई थ्रिलर शामिल है। वह नेटफ्लिक्स के लिए दिल्ली क्राइम सीजन 3 का सह-निर्माण और लेखन भी कर रहे हैं।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवाइर्स में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए नामांकन

भारत को ग्लोबल नक्शे पर हर बार एक कदम ऊपर लाते हुए, ग्लोबल सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवाइर्स में 'एक्शन मूवी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का नामांकन' श्रेणी हासिल की।एसएस राजामौली की आरआरआर में अपने परफॉर्मन्स से ग्लोबल शासन हासिल करने वाले पैन-इंडियन सुपरस्टार हर तरह से पूरी तरह से योग्य हैं।कोमाराम भीम के रूप में मैन ऑफ मास एनटीआर जूनियर के परफॉरमेंस ने दशकों पुरानी दीवार को तोड़ते हुए सभी भारतीय कलाकारों और कलाकारों को रोमांचित कर दिया है।क्रिटिक्स च्वाइस एसोसिएशन (सीसीए) ने कल रात तीसरे वार्षिक क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवार्ड्स के लिए नामांकितों का अनावरण किया।उसी के विजेताओं को

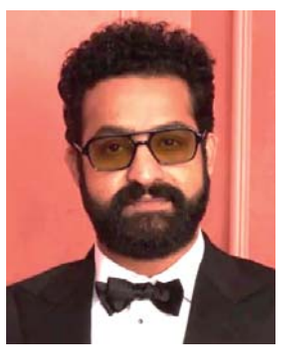

गुरुवार 16 मार्च को जारी किया जाएगा।मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर का प्रदर्शन हमेशा ही शानदार और एक्शन से भरपूर रहा है; अविस्मरणीय सेट पीस से भरा हुआ है जिसे दुनिया भर में लाखों प्रशंसकों द्वारा पसंद किया गया है।एक भारतीय क्रांतिकारी नायक, जिसे भूलना बहुत मुश्किल है, ग्लोबल सुपरस्टार एनटीआर जूनियर ने बार-बार हमारी याद में वॉटरमार्क छोड़कर खुद को पीछे छोड़ दिया है।उसे जंगल में दौड़ते हुए और बाघ के पास वापस दहाड़ते हुए भूलना मुश्किल है!'आरआरआर', एक महान कृति के रूप में, पहले सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए गोल्डन ग्लोब जीत चुका है ('नातु नातू' के लिए, जिसमें एनटीआर जूनियर ने दिल खोलकर डांस किया था), कई अन्य अंतर्राष्ट्रीय तारीफों के बीच।'नातू नातू' भी इस साल ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हैं ! जीत का सिलसिला जारी है क्योंकि आरआरआर को तीसरे वार्षिक क्रिटिक्स चॉइस सुपर अवाइस में 'बेस्ट एक्शन मूवी' के लिए नामांकित किया गया हैमैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर को एनटीआर 30 में देखा जाएगा, जो कोराताला शिव द्वारा निर्देशित है। वह NTR31 पर KGF के निर्देशक प्रशांत नील के साथ भी काम करेंगे।

बीएमसी चुनाव में शिंदे का धनुष बाण और उद्धव की मशाल?

क्या समीकरण और कौन पड़ सकता भारी

मुंबई: केंद्रीय चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को शिवसेना नाम और चुनाव चिन्ह धनुष-बाण दिया है। पिछले साल शुरू हुई यह लड़ाई चुनाव आयोग ने कई सुनवाइयों के बाद आदेश देकर खत्म कर दी है। हालांकि, उद्धव गुट ने इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। फिलहाल आयोग के फैसले के बाद अब एकनाथ शिंदे आगामी चुनावों में दिवंगत बाल ठाकरे द्वारा स्थापित की शिवसेना और धनुष-बाण चुनाव चिन्ह के साथ मैदान में उतरेगी। आने वाले दिनों में बीएमसी समेत कई महानगर पालिका और नगर पालिका और अन्य निकाय चुनाव होने हैं। खासतौर पर देश की सबसे अमीर महानगर पालिका बीएमसी चुनाव को लेकर बीजेपी और उद्धव ठाकरे के बीच कांटे की टक्कर है। अब तक यह कहा जा रहा था कि बीएमसी चुनाव में शिंदे गुट का कोई दखल नहीं होगा क्योंकि उनका मुंबई में कोई खास जनाधार नहीं है। हालांकि, शिंदे के पास साठ साल पुरानी पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह है। शिंदे गुट के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुलाब चंद दुबे ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन को बताया कि एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी आगामी बीएमसी चुनाव समेत सभी चुनावों में बीजेपी के साथ पूरे दमखम से उतरेगी। एकनाथ शिंदे के साथ बाला साहेब का आशीर्वा द हैं क्योंकि शिंदे सही मायने में बालासाहेब के विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। जनता आगामी चुनाव में शिंदे-फडणवीस सरकार को एक बार फिर से भारी बहुमत से चुनकर लाएगी। वहीं उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग एक एजेंट के रूप में काम कर रहा है। हमारी पार्टी मशाल चुनाव चिन्ह के साथ ही जनता के बीच जाएगी। दुबे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र सरकार में अगर हिम्मत है तो वह एक-दो महीने के भीतर चुनाव करवाएं। मुंबई की जनता उन्हें खुद बता देगी की वो किसके साथ है। हमे पूरा यकीन है कि जिस तरह से बीते तीस सालों से जनता ठाकरे परिवार को अपना समर्थन दे रही है, वो इस बार भी कायम रहेगा उद्धव को चुनाव में हराना आसान नहींहाराष्ट्र की राजनीति को करीब से जानने वाले वरिष्ठ पत्रकार सचिन परब ने बताया कि उद्धव ठाकरे की मुश्किलें अब और भी बढ़ेंगी। अब जब पार्टी का नाम और चुनाव चिन्ह सब कुछ एकनाथ शिंदे को मिल चुका है तो ठाकरे समर्थक कई नेता, विधायक और सांसद भी जल्द शिंदे गुट में शामिल होंगे। शिंदे गुट कुछ दिनों पहले यह कह रहा था कि कुछ और सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं। यह बात आने वाले दिनों में सच साबित हो सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि उद्धव ठाकरे को बीएमसी चुनाव में हराना शिंदे और बीजेपी के लिए आसान नहीं होगा।

संभव है कि इस बार उद्धव ठाकरे 80 से 90 की सीटों वाला करिश्मा न दिखा पाएं लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए उन्हें हल्के में लेने की बेवकूफी बीजेपी और शिंदे गुट नहीं करेगा। पार्टी के नाम चुनाव चिन्ह का फायदा शिंदे गुट को जरूर मिलेगा।

जूनागढ (भवनाथ): कोरोना के दौरान कई गरीब परिवार के बच्चों ने शाला में मुफ्त की पढ़ाई भी छोड़ दि है और परिवार के लिये छोटे छोटे मजदूरी के काम कर रहे है। ऐसे बच्चों को पुनः अभ्यास के साथ जोड़ने का विशेष अभियान चलाया जाएगा। अगर आपके आसपास में ऐसे कोई बच्चे है तो फोरन गुजरात में जूनागढ के भवनाथ में भारती आश्रम का संपर्क करे । इन बच्चों को पढ़ना रहेना भोजन इत्यादि फ्री में सुविधा दी जायेगी ऐसा गुजरात में भारती आश्रम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद बापू ने अपने संदेश में कहा है।उन्होंने कहा की भारती आश्रम बहोत जल्द विभिन्न विस्तृतिकरण की योजना आरंभ करेगी। (1) यात्रिकों की सुविधा के लिए जूनागढ के भवनाथ में ५० कमरे का भवन निर्माण किया जाएगा(२) १२ वी तक के बच्चों के लिया आर्ट्स और कॉमर्स स्कूल और हॉस्टेल है उसका आधुनिकीकरण किया जाएगा(३) भवनाथ और वांकिया में गौशाला सेवा को विस्तृत किया जाएगा ।(४) भजन के लिए एक ऑडिटोरियम बनाया जायेगा। जिसमे गिरनार के यात्रिको को आश्रम में भूतकालमे आयोजित भजनों के वीडीओ कार्यक्रम दिनभर में विविध समय दिखाए जायेंगे।(५) यज्ञशाला का विस्तृतिकरणु होगा ताकि यात्रिक कभी भी पवित्र गिरनार भूमि में यज्ञ कर सके। विशेष जानकारी के लिए मो. नं. 9601299699 पे संपर्क करें ऐसा भारती आश्रम के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्य गादीपति महामंडलेश्वर श्री हरिहरानंद जी महाराज ने कहा।

महाराष्ट्र शासन

महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, सा. बां. विभाग,
राज्य कामगार विमा योजना रूग्णालय आवार, लालबहादुर शास्त्री मार्ग, मुलुंड(प), मुंबई-४०००८०
ई-मेल पत्ता :- elno1thmumbai.ee@mahapwd.gov.in दूरध्वनी क्रमांक :-०२२-२५६०१३२७
ई-निविदा सुचना क्र.११२/२०२२-२३

कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, मुलुंड, मुंबई हे महाराष्ट्र शासनाकडील विद्युत ठेकेदार (लिफाफा क्र.१ अनुसार) यांचेकडून खालील कामाकरिता ब-१ टक्केवारी नमुन्यातील निविदा, ई-निविदा प्रणालीद्वारे (ऑनलाईन) मागवित आहेत. निविदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर http://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यांत यावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंबई विद्युत विभाग, मुलुंड, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे. अट अशलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

कामाचे नांव :	निविदा रक्कम रूपये :
1) Est No.OW/NMED/BESD/BKC/332/2022-23, Providing renovation to the existing oudated electrical installation, Fire Alarm System & allied accessories & new Airconditioner units & Audio-Video System for Server Room, conference hall affecting due to proposed Civil renovation work at Directorate of Industrial safety & Health office, 5th Floor Kamgar Bhavan Building BKC, Bandra (E), Mumbai.	रूपये ३८५२३८७ /-
2) Est. No. ATAL/NM/MSSD/NMS/025/2022-23 Providing Semi Comprehensive AMC to Fire Fighting and Addressable Fire Alarm System installed in New Maharashtra Sadan New Delhi (2nd Call).	रूपये ३१८३३३६ /-

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी : दि.२७.०२.२०२३ ते दि.०७.०३.२०२३ रोजी १७.३० वा.पर्यत.
(As per PWD, Mantralaya, Mumbai, GR No. Misc 2022/P.No.104/Ima-2 dt. 08.02.2023)
ई निविदा उघडणे : दि.०९.०३.२०२३ रोजी १४.०० वा. नंतर.
खालील संकेतस्थळावर ई निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
१.वरील अंदाजित रक्कमेत जी.एस..टी. सामाविष्ट नसून ठेकेदाराने निविदेत दर भरताना जी.एस..टी.वगळून दर नमूद करावा.अंदाजित रक्कमेवर नमूद केलेल्या दरानुसार आलेल्या रक्कमेवर जी.एस..टी.१८% पर्यंत वेगळा अदा करण्यात येईल.
२. http://mahatenders.gov.in
(सदर निविदासूचनेमध्ये काही वदल होत असल्यास वरील वेवसाईटवरती कळविण्यात येईल.)
३. कामाच्या करारनाम्यात पोस्ट क्वॉलिफीकेशनचा क्रायटेरिया समाविष्ट केलेला आहे.
४. कार्यकारी अभियंता, उत्तर मुंवई विद्युत विभाग, मुलुंड(प), मुंवई कार्यालयातील सूचना फलक.
जा.क्र.काअ/उमुंविवि/निविदा/ ६९६ /२०२३ दिनांक : २१.०२.२०२३

sd/-
कार्यकारी अभियंता,
उत्तर मुंवई विद्युत विभाग,
सा.वां.विभाग, मुंवई.

गर्भावस्था में इन चीजों का जरूर करें सेवन मां बच्चे दोनों की सेहत को मिलेगा लाभ

राज के.वेगड़

स्वस्थ बच्चे के जन्म के लिए गर्भ वती महिला को भी अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए गर्भा वस्था के दौरान महिला के खानपान का विशेष ध्यान दिया जाता है। अच्छे खानपान से गर्भ वती महिला स्वस्थ और सेहतमंद होती है, साथ ही खानपान का सीधा असर बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। वहीं गर्भ वतीमहिला के खानपान से ही प्रसव के दौरान होने वाली दिक्कतों से भी बचा जा सकता है। गर्भा वस्था में महिला जो भी खाती है, उससे अजन्मे बच्चे पर असर होता है। बच्चे का दिमाग तेज होता है। उसे भरपूर पोषण मिलता है तो प्रसव के बाद स्वस्थ बच्चे का जन्म होता है। ऐसे में गर्भा वस्था में महिला को कुछ चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए। चलिए जानते हैं प्रेगनेंसी सूपर फूड़स के बारे में जो गर्भ वती महिला और होने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद है।

गर्भवती महिला को क्या खाना चाहिए

पालक

हरी सब्जियों में सारे पोषक तत्व

होते हैं। इसमें पालक का सेवन बहुत लाभदायक है। पालक में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और कई सारे मिनरल्स होते हैं। बच्चों के विकास और बेहतर स्वास्थ्य के लिए पालक का सेवन आवश्यक है। गर्भवती महिला को पालक का सेवन करना चाहिए। इससे अजन्मे बच्चे को बेहतर सेहत और तेज दिमाग मिलता है।

अंडा

अंडा भी पोषण से भरपूर है। अंडे में प्रोटीन के साथ ही विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं। अंडे में विटामिन डी की मात्री भी अधिक मिलती है। बच्चे के मस्तिष्क के विकास के लिए विटामिन डी महत्वपूर्ण है। इसलिए गर्भवती महिला अंडे का सेवन भी कर सकती हैं।

बादाम

बादाम में काफी सारे पोषक तत्व होते है। बादाम खाने से दिमाग तेज होता है। यह बात गर्भवती महिला और उनके बच्चे पर भी लागू होती है। बादाम में काफी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। गर्भावस्था में महिला को बादाम का सेवन करना चाहिए। इससे बच्चे का दिमागी विकास बेहतर होता है।

ताजे फल

फल सेहत के लिए लाभदायक होते हैं। ताजे फलों से विटामिन मिलता है। ऐसे में गर्भावस्था में महिला को संतरा, केला, आम, अंगूर, सेब आदि फलों का सेवन करना चाहिए। चाहे तो फलों का जूस बनाकर भी पी सकते हैं।

दही

गर्भवती महिलाओं के लिए दही का सेवन भी सेहतमंद और बच्चे के लिए फायदेमंद है। दही में विटामिन सी समेत बहुत सारा प्रोटीन होता है। रोजाना दही का सेवन करने से प्रसव के बाद स्वस्थ और विकसित बच्चे का जन्म होता है।

दूध

बच्चे हों या बड़े, हर किसी को दूध के सेवन की सलाह दी जाती है। एक गिलास दूध में भरपूर पोषक तत्व होते हैं। गर्भवती महिला और उसके बच्चे के लिए भी दूध बहुत फायदेमंद होता है। इससे शरीर को ताकत मिलती है। सेहत बनती है और बच्चे के दिमाग का भी विकास होता है।

बहुत ज्यादा खांसी आने से हैं परेशान, तो इन चार घरेलू उपचार से मिलेगा आराम

मौसम में बदलाव, फ्लू आदि के कारण खांसी आने लगती है। वहीं कई बार खांसी कई दिनों तक आती रहती है और सिरप या दवाई असर नहीं करती। बहुत ज्यादा खांसी आने से आप न तो कोई काम ठीक से कर पाते हैं और न ही सो पाते हैं। अगर आपको गीली खांसी की शिकायत होती है तो बलगम बनता है, जिससे फेफड़ों को साफ करने के लिए बलगम या कफ बनता है लेकिन सूखी खांसी में बलगम नहीं बनता। आमतौर पर सूखी खांसी फ्लू या सर्दी के बाद कई दिनों तक रहती है। इस मौसम में सूखी खांसी कई लोगों को परेशान करती है। खांसी के कारण कई बार को पूरी पूरी रात नींद नहीं आती। ऐसे में अगर आपको भी सूखी खांसी आ रही है और दवाएं असर नहीं कर रहीं तो कुछ घरेलू उपायों को अपनाकर आप सूखी खांसी से छुटकारा पा सकते हैं। अगली स्लाइड्स में जानिए सूखी खांसी के घरेलू उपचार।

अदरक और नमक

बहुत ज्यादा खांसी से परेशान हों तो अदरक के छोटे से टुकड़े में एक चुटकी नमक छिड़क कर अपने दांतों के नीचे दबा लीजिए। इससे अदरक का रस धीरे धीरे आपके गले तक पहुंचता है। अदरक के टुकड़े का रस 5-8 मिनट तक लेते रहें।

काली मिर्च और शहद

शहद और काली मिर्च को मिलाकर सेवन करने से भी खांसी से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए 4-5 काली मिर्च को पीसकर पाउडर बना लें। काली मिर्च पाउडर में शहद मिलाकर चटनी की तरह सेवन करें।

अदरक और शहद

चार्ल्स पटेल

अदरक और शहद दोनों ही सूखी खांसी से राहत पहुंचा सकते हैं। शहद और अदरक में मुलेठी मिलाकर सेवन करें। यह तीनों इम्यूनिटी बढ़ाने में फायदेमंद होती है। एक चम्मच शहद में अदरक के रस का सेवन करें। गले को सूखने से बचाने के लिए मुलेठी की छोटी सी डंडी को मुंह में रख लें। यह गले की खराश को दूर करती है।

गर्म पानी में शहद

खांसी से आराम पाने के लिए आधे गिलास हल्के गर्म पानी में शहद मिलाकर पीएं। रोजाना शहद के सेवन से सूखी खांसी से राहत मिलती है। रात में शहद मिलाकर गुनगुना पानी पीने से खराश दूर होती है।

तेजी से वजन बढ़ाने में सहायक हैं ये चीजें रोजाना सेवन से जल्द दिखेगा लाभ

महेक जोबनपुत्रा

स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित वजन का होना बहुत जरूरी होता है। अधिक बढ़े हुए वजन से कई लोग परेशान होते हैं तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कम वजन की वजह से लोगों की मजाक का विषय बन जाते हैं। कुछ लोग कुपोषण के मरीज भी लगते हैं। अगर आप अपने कम वजन को बढ़ाना चाहते हैं तो उसके लिए कुछ घरेलू तरीके हैं। वजन बढ़ाने के लिए वर्कआउट और अच्छी डाइट जरूरी होती है। कुछ घरेलू तरीकों और खाद्य पदार्थों के रोजाना सेवन से आप चंद महीनों में ही वजन बढ़ा सकते हैं। ये खाद्य सामग्री वजन बढ़ाने में मदद करने के साथ ही सेहत के लिए भी फायदेमंद होती हैं। इसके साथ ही अधिक कार्बोहाइड्रेट व कैलोरी वाली चीजों को डाइट में शामिल करना चाहिए। जैसे आटा, चावल, शहद, मेवे, मक्खन आदि। इन चीजों से वजन सेहतमंद तरीके से बढ़ता है। चलिए जानते हैं वजन बढ़ाने के लिए किन चीजों का करना चाहिए रोजाना सेवन।

आलू

आलू में कार्बोहाइड्रेट्स और कॉम्प्लेक्स शुगर होता है, जो वजन बढ़ाने का काम करता है। आलू को आप किसी भी सब्जी के साथ बनाकर खा सकते हैं। आलू का रोजाना सेवन करें। हालांकि स्वस्थ तरीके से वजन बढ़ाना चाहते हैं तो आलू को किसी भी तरीके से खाएं लेकिन वह अधिक तला भुना न हो।

घी

घी के सेवन से शरीर में वसा की मात्रा बढ़ती है। घी में सैट्योरेटेड फैट और कैलारी की मात्रा अधिक होती है। घी को आप खाने में मिलाकर खा सकते हैं। चाहें तो घी और शक्कर मिलाकर सेवन करें लेकिन घी के सेवन की मात्रा सीमित ही रखें।

केला

वजन बढ़ाने के लिए केला अच्छा विकल्प है। केले में भरपूर मात्रा में कैलोरी होती है। रोजाना केले के सेवन से आपका वजन जरूर बढ़ेगा। केला खाने से एनर्जी मिलती है और सेहत भी बनती है। आप केले को दूध के साथ खा सकते हैं। केले का शेक बनाकर पी सकते हैं।

मेवे के साथ दूध

वजन बढ़ाने के लिए मेवे को दूध में मिलाकर सेवन करें। बादाम, खजूर और अंजीर का सेवन तेजी से वजन बढ़ाता है। आप चाहें तो लगभग 30 ग्राम किशमिश खाने से भी तेजी से वजन बढ़ता है।

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई, गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

काफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है। कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, काफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। काफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है। चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ। कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए। 2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह में किसी पारिवारिक या कार्यालयीन कार्य से यात्रा करनी पड़ सकती है। सप्ताह में संयम से रहें। किसी भी बात का किसी को बुरा न लगे इस बात का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति इस सप्ताह सामान्य रहेगी। संपत्ति के कार्य धीमी गति से होंगे। वाहन खरीदने का योग है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा किंतु सतर्क रहना होगा।

वृषभ : आर्थिक संकट दूर होने के योग हैं। कहीं से अचानक पैसों की व्यवस्था हो जाएगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। संतानपक्ष के कार्यो पर नजर रखने की आवश्यकता है। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। नौकरी और व्यापार में मन लगाकर काम करना होगा। नए कार्य-व्यवसाय प्राप्त होने के योग अच्छे हैं।

मिथुन : सप्ताह शांत बने रहने का है। किसी से व्यर्थ विवाद में न पड़ें। परिवार के किसी मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। भूमि, भवन, संपत्ति के कार्य धीमी गति से होंगे। आर्थिक स्थिति उत्तम रहेगी। आजीविका के साधनों की चिंता दूर होगी। जिन लोगों के पास आय का कोई साधन नहीं है उन्हें प्राप्त होगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

कर्क : सप्ताह शुभ है। आपके बल- पराक्रम में वृद्धि होगी और असंभव कार्यो को भी पूरा कर पाएंगे। परिवार में महत्व बढ़ेगा। विद्यार्थी वर्ग की विदेश यात्रा के योग हैं। स्वास्थ्य में थोड़ी नरमी रहेगी। शीत का प्रकोप रहेगा। धन संबंधी योजनाएं साकार होंगी। भूमि, संपत्ति के कार्य तेजी से होंगे। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

सिंह: सप्ताह मिलाजुला रहेगा। कार्यस्थल पर विवादित स्थिति बन सकती है। नए कार्य प्रारंभ होने के योग हैं किंतु अभी उचित लाभ दिखाई नहीं देगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। भवन निर्माण के कार्यो को गति मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पुराने रोग दूर होंगे। विद्यार्थी वर्ग प्रसन्न रहेंगे। दांपत्य जीवन का टकराव समाप्त होगा।

कन्या: सप्ताह शुभ है। आर्थिक परेशानियां दूर होंगी। संकटपूर्ण समय बीत गया है अब नए सिरे से आगे बढ़ने का अवसर है। प्रेम और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। अविवाहितों के विवाह का योग है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। अवसरों का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर चुनौतियों के बावजूद अच्छा करने में सफल होंगे।

तुला: सप्ताह सामान्य है। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। पारिवारिक समागम होगा। मांगलिक प्रसंगों में जाने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। प्रेम और दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। युवाओं को नए ऑफर मिलेंगे। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। नौकरी में उन्नति मिलेगी। उच्चाधिकारियों से संबंध सुधरेंगे।

वृश्चिक: शारीरिक और मानसिक स्थिति मजबूत रहेगी। पारिवारिक विवाद दूर होंगे। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक कार्यो से यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। पुराना निवेश लाभ देगा। नई संपत्ति खरीदने के योग हैं।

धनु : इस सप्ताह अवसरों का लाभ मिलेगा। नए व्यापार-व्यवसाय प्रारंभ करने की रूपरेखा बनेगी। सामाजिक जीवन में कोई बड़ा सम्मान मिल सकता है। नई प्रॉपर्टी खरीदने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य में थोड़ा उतार-चढ़ाव बना रहेगा। परिवार के बुजुर्गो का ध्यान रखें। प्रेम संबंधों में टकराव होगा। इससे मानसिक परेशानी अनुभव होगी।

मकर : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शुभ है। आटोमोबाइल, ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को बड़े अवसर मिल सकते हैं। परिवार और समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में उन्नति के अवसर हैं। अधिकारियों से तालमेल अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से नया कार्य प्रारंभ होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मानसिक और शारीरिक बल मिलेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : सप्ताह शुभ है। अनेक परेशानियों का हल इस मिल जाएगा। स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। नए कार्य प्रारंभ करने की रूपरेखा बनेगी। नौकरी में उन्नति के योग हैं। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। मित्रों के साथ मनोरंजक यात्राएं हो सकती हैं। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। सामाजिक जीवन में कोई सम्मान मिल सकता है। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन : इस सप्ताह आपका प्रभाव बढ़ने वाला है। आपके प्रत्येक निर्णय को सर्वत्र मान्यता मिलेगी। आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को उन्नति मिलेगी। व्यापारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। परिवार में माहौल सुखद रहेगा। दांपत्य जीवन में चल रहा टकराव दूर होगा। जीवनसाथी पहल करेगा। भाग्य का साथ मिलेगा किंतु कर्म को प्रधान रखें।

चुटकुले

चिंटू- मैम, मैं जब पढ़ने बैठा तो लाइट चली गई।
टीचर- तो लाइट आने के बाद क्यों नहीं की पढ़ाई?
चिंटू- बाद में मैंनें इस डर से पढ़ने नही बैठा कि कहीं मेरी वजह से फिर से लाइट न चली जाए।
फिर क्या था मैडम ने चिंटू की कुटाई कर दी।
उसके बाद चिंटू बोला- भलाई का तो जमाना ही नही रह गया अब तो...

गर्ल फ्रेंड - जानू, मेरे सिर में बहुत दर्द है।
बॉयफ्रेंड ने लड़की के सिर को चूमते हुए पूछा - अब सही हुआ?
गर्ल फ्रेंड - हां, अब बिल्कुल सही हो गया।
पास में ही खड़ा एक डॉक्टर मन ही मन में भुनभुनाते हुए - लानत है मेरी MBBS की डिग्री पर।

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना।
रामू- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए।
मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए।
रामू- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।
रामू की बात सुनकर मैनेजर हैरान रह गया।

टीलू की 2 करोड़ की लॉटरी निकली
लॉटरीवाला - आपको टैक्स काटकर 1.75 करोड़ मिलेंगे
टीलू - ये गलत बात है, मुझे पूरे 2 करोड़ दो, नहीं तो मेरे टिकट के 100 रुपये वापस करो।
टीलू की बात सुनकर लॉटरीवाला सोच में पड़ गया।

पप्पू- जानू, तुम दिन पर दिन
खूबसूरत होती जा रही हो...
पत्नी (खुश होकर)- तुमने कैसे जाना?
पप्पू- तुम्हें देखकर रोटियां भी जलने लगी हैं
पत्नी को अब समझ नहीं आ रहा कि गोलू ने तारीफ की है या फिर ताना मारा है।

मिलेट अब बन रहा है विश्व की पसंद

इसे मोटा अनाज के नाम से भी जाना जाता है

भारत की मांग पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को 'इंटरनेशनल इयर ऑफ मिलेट' किया घोषित

सीताराम मेवाती - मुंबई

इंडियन पल्स एंड ग्रेन्स एसोसिएशन ने 16 से 18 फरवरी, 2023 तक मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में द पल्स कॉन्क्लेव 2023 का तीन दिवसीय आयोजन किया है. इस कॉन्क्लेव में मिलेट जिसे मोटा अनाज के नाम से भी जाना जाता है. कॉन्क्लेव में मिलेट के बारे में प्रख्यात वक्ता और सरकार के गणमान्य व्यक्ति और विश्व के कई देशों के वक्ता भाग ले रहे हैं. ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र ने भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भारत सरकार के इशारे पर 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित किया है. ज्ञात हो की विश्व स्तर पर, मिलेट एक नई अवधारणा है लेकिन भारत में यह सदियों से हमारे आहार का एक अभिन्न अंग रहा है. , मिलेट स्वास्थ्य लाभों की अधिकता के अलावा कम पानी और लागत की आवश्यकता वाले पर्या वरण के लिए भी अच्छा है. जागरूकता पैदा करने एवं मिलेट के उत्पादन और खपत को बढ़ाने के उद्देश्य से, द पल्स कॉन्क्लेव 2023 मिलेट के आसपास इंटरैक्टिव गतिविधियों की मेजबानी कर रहा है.

मिलेट के फायदे और नुकसान के बारे में हमने सुपर मिलेट कंपनी की निदेशक श्रीमती शिल्पा कुमार से जानकारी प्राप्त की. यह कंपनी मुंबई में स्थित है जो मोटा अनाज से बने उत्पाद बनाती है. यह भारत में एकमात्र कंपनी हैं जो मिलेट से बने सभी नौ प्रकार के इडली डोसा बैटर का निर्मा णकरती हैं. इस कंपनी ने हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक में दो दिन की मेजबानी का आयोजन अपनी प्रोडक्ट की जानकारी देने हेतु आयोजित किया था. जिसमे लगभग दो हज़ार बैंक कर्म चारियोंऔर अधिकारीयों ने मिलेट से बने हुए इडली और डोसा व्यंजन का स्वाद चखा. यह एक सफल अनुभव था जिसे हर व्यक्ति ने सराहा. सुपर मिलेट कंपनी इस समय ग्रैंड हयात होटल के तीन दिवसीय कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुई है और अपने उत्पादों का प्रदर्शन और विक्री कर रही है. इस कार्यक्रम के पहले दिन सभी उपस्थित मेहमानों को मिलेट का लाइव काउंटर रखा गया था और गरम रिसोतो बना कर परोसा गया. मिलेट से बने बने इस इटालियन स्टाइल रिसोत्तो को भारतीय मेहमानों के अलावा विदेशी मेहमानों ने भी इसका लुत्फ उठाया और काफी प्रशंसा भी की.

शिल्पा कुमार ने हमसे बातचीत के दौरान मिलेट के फायदे, उपयोग और नुकसान के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसके प्रमुख अंश निचे दर्शा एगए हैं. इस लेख में आप जान पाएंगे कि मिलेट में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं और यह कितना उपयोगी है.

क्या हैं मिलेट: मिलेट जिन्हें हिंदी में मोटा अनाज (बाजरा, जुआर, कांगनी, रागी इत्यादि) कहा जाता है. यह पौष्टिक अनाज होते हैं जो फाइबर, खनिज और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. मोटे अनाज अकसर विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में उपयोग किए जाते हैं, और दलिया, ब्रेड, और साथ ही साइड डिश के रूप में भी पकाया जाता है. मोटे अनाजों को दुनिया भर में व्यापक रूप से उगाया एवं भोजन में इस्तेमाल किया जाता है. मिलेट मानव और जानवरों के लिए एक पौष्टिक आहार है. मिलेट को आप कहीं पर भी उगा सकते है. इसे सूखे क्षेत्र, वर्षा आधारित क्षेत्रों, तटीय क्षेत्रों, या पहाड़ी क्षेत्रों में आसानी से उगाया जा सकता हैं.

मिलेट के प्रकार: मिलेट को बीजों के आकार और उगने के तरीके के आधार पर हम इन्हें दो भागों में बाँट सकते हैं, मोटे दाने वाला एवं लघु दाने वाला मिलेट. मोटे दाने वाला मिलेट के बीज मोटे होते है जो मोटे दाने वाले अनाज के नाम से भी जाना जाता है जिनमे मिलेट, मूंग, रागी, ज्वार, चेना इत्यादि होते हैं. यह मोटे अनाज सूखा सहन करने यानि के कम पानी में उपजने की क्षमता होती हैं. मामूली मिलेट के बीज छोटे होते है जिसे हस्कड ग्रेन के नाम से भी जाना जाता हैं. इनमें कुटकी, कंगनी, कोदो, चावल आदि सम्मिलित हैं. मोटे धान्य की तुलना में लघु धान्य में अधिक पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं. बाजार में उपलब्ध मिलेटस की मुख्य किस्में जिसमे कंगनी, कुटकी, कोदो, चेना, रागी, झंगोरा, बैरी, ज्वार (शबर्त) एवं मिलेट इत्यादि सम्मिलित हैं.

मिलेट में पाए जाने वाले पोषक तत्व: मिलेट में कई प्रकार के विटामिन और मिनरल पाए जाते है जिनकी , सूची इस प्रकार से है, विटामिन बी-3, विटामिन बी-6, कैरोटीन, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, लेसितिण, लोहा, जस्ता, फाइबर आदि प्रचुर मात्रा पाए जाते हैं.

मिलेट के फायदे और उपयोग: मिलेट हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक होता है. यह कई प्रकार की बीमारियों को ठीक करता है और उसके होने वाले खतरे को कम करता है. यह अस्थमा को रोकने में, खराब कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करने में, शरीर से विषैले पदार्थों को साफ़ करने में, शुगर लेवल कम करने और कैंसर के खतरे को भी कम करता है.

मधुमेह (डायबिटीज) के लिए मिलेट के फायदे: डायबिटीज के निदान में मिलेट बहुत फायदेमंद होता

सुपर मिलेट कंपनी की निदेशक श्रीमती शिल्पा कुमार

है. जहाँ दुनिया भर में लाखों लोग डायबिटीज के मरीज होते जा रहे है. वहीं आप मिलेट को खाने में इस्तेमाल करने से डायबिटीज होने के खतरे को कम कर सकते है. मिलेट का नियमित सेवन करने से शुगर कंट्रोल में रहता है.

उच्च कोलेस्ट्रॉल (हाई कोलेस्ट्रॉल) के लिए मिलेट के लाभ: उच्च कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मिलेट बहुत होता है. इसमें हाई फाइबर की मात्रा पाई जाती है जो हमारे शरीर के कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है. यह हमारे शरीर से गन्दा कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और एल डी एल कोलेस्ट्रॉल को शरीर से बाहर निकलने में यह बहुत ही फायदेमंद होता है.

वजन कम करने के लिए मिलेट का उपयोग: मिलेट का उपयोग वजन कम करने में बहुत उपयोगी होता है. अपने शरीर में मेटाबॉलिज्म क्रिया का ठीक होना बहुत ही आवश्यक होता है. मिलेट में उच्च मात्रा में फाइबर होता है जो मेटाबॉलिज्म को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है. इससे आपको जबरदस्त ऊर्जा मिलती है तथा भूख कम लगती है. जो लोग अपना वजन कम करना चाहते है, उन्हें मिलेट को अपने भोजन के मुख्य रूप में शामिल करना चाहिए.

कैंसर में मिलेट का उपयोग: मिलेट कैंसर ख़त्म बहुत ही लाभकारी होता है. महिलाओं के स्तन कैंसर को रोकने के लिए मिलेट का सेवन सबसे आसान तरीका है. इसका सेवन करने से महिलायें स्तन कैंसर के खतरे को 50% तक कम कर सकती है.

अस्थमा में मिलेट का उपयोग: अस्थमा में - अस्थमा को ठीक करने में मिलेट का इस्तेमाल बहुत ही फायदेमंद होता है. जो लोग अस्थमा से ग्रस्त है उन्हे इसका सेवन अवश्य करना चाहिए.

यह अस्थमा के खतरे को कम करता है. मिलेट का नियमित रूप से सेवन करने से बच्चों में अस्थमा का खतरा 15% तक कम हो जाता है.

त्वचा के लिए मिलेट के फायदे के लिए: त्वचा के लिए मिलेट का उपयोग बहुत है फायदेमंद होता है. मिलेट एंटीऑक्सीडेंट और फिनोलिक्स का एक अच्छा सोर्स है. इसका सेवन फ्री रेडिकल्स को रोकता है जिससे की व्यक्ति पर उम्र का प्रभाव कम पड़ता है. यह त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मददगार है वचेहरे पर झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है.

अनिद्रा रोग में मिलेट के फायदे: मिलेट अनिद्रा रोग में बहुत ही लाभकारी है और इसके सेवन से अच्छी व गहरी नीद आती है. इसमें ट्रीप्टोफन पाया जाता है, जो हमारे शरीर में सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाता है. सेरोटोनिन शरीर के तनाव को कम करता है व मस्तिष्क को आराम पहुंचाता है. जिन लोगों को अनिद्रा रोग है उन्हें मिलेट का सेवन अवश्य करना चाहिए.

मिलेट के नुकसान: ज्ञात हो की वैसे तो मिलेट हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है लेकिन अत्यधिक मात्रा इसका सेवन आपको नुकसान भी पहुंचा सकता है. इनमें सबसे आम समस्या है थायराइड की. मिलेट के अंदर गोईट्रोजन होता है. जो थायराइड की समस्या के लिए जिम्मेदार होता है. ज्यादा मात्रा में सेवन करने से त्वचा रूखी हो सकती है. मिलेट का अधिक सेवन सोचने की क्षमता को भी कम कर सकती है.

मिलेट लंच का संसद भवन में आयोजन: कुछ दिन पहले सभी सांसदों के लिए एक मिलेट लंच का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री सहित सभी पार्टियों के बड़े नेताओं ने विशेष व्यंजनों का स्वाद चखा. देश के लगभग सभी राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपने साथी विधायकों के साथ मिलेट से बना विशेष भोजन कर रहे हैं. हाल ही में छत्तीसगढ़ और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने मिलेट मिशन को बढ़ावा देने के लिए अपने साथी विधायकों के साथ मिलेट लंच का आयोजन किया था.

निष्कर्ष: मित्रों आज के लेख से आप जान पाए होंगे कि मिलेट क्या है? इसमें कौन- कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं? नयी पीढ़ी में यह काफी समय से हमारे थाली से गायब रहा है लेकिन अब धीरे-धीरे लोगों का ध्यान इसके तरफ आकर्षित होने लगा हैं और इसका उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है.

जीएसटी कर प्रणाली में दो बार ही लगे टैक्स:कैट

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को आसान बनाने के लिए कैट ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्म लासीतारमण से आग्रह किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने सुझाव दिया है कि जीएसटी में सिर्फ दो स्थानों पर ही कर लगे। इसमें प्रथम रूप में निर्मा ता, इंपोर्टर या सबसे पहले सामान बेचने वाले पर जीएसटी लगे। वहीं दूसरे स्थान पर जिसे सामान बेचा, उस स्थान पर कर लगे। बाद में उपभोक्ता तक जितनी बार सामान बेचा जाए, वो सामान टैक्स पेड के रूप में ही बेचा जाए। इससे जीएसटी में कर दाताओं की संख्या कम होगी। विभाग को भी पूरी प्रणाली देखने में आसानी होगी ।शंकर ठक्कर ने कहा कर की दर सरकार जो चाहे वो तय कर ले, जब टैक्स पेड माल बिकेगा, तो ग्राहकों को भी खरीदे हुए माल का बिल लेने में कोई हिचक नहीं होगी। इसी तरह यदि मुंबई का कोई व्यापारी निर्मा ताहै या कोई भी सामान देने का पहला व्यक्ति है और अगर वह मुंबई के ही किसी व्यापारी को सामान बेचता है, तो पहली बार ही बिके हुए माल पर टैक्स लगना चाहिए। इसके बाद जितनी भी बार मुंबई में वो माल बिके, वो टैक्स पेड़ ही बिकना चाहिए । अगर मुंबई से बाहर किसी अन्य राज्य में बेचा जाए, तब उस राज्य में केवल एक बार उस सामान पर टैक्स लगना चाहिए।

-श्री शंकर ठक्कर

एन विनायक बतौर निर्देशक अपनी पहली कन्नड़ 'फुल मील्स' के निर्देशन में व्यस्त

एन विनायक की बतौर निर्देशक पहली रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'फुल मील्स

पिछले ६ वर्षों तक कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय निर्देशक एन विनायक ने दर्जनों फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर और एसोसिएट निर्देशक के तौर पर कई कन्नड़ फिल्मे की। इसके अलावा विज्ञापन फिल्में, शार्ट फिल्में व कई म्यूजिक विडिओ अलबमों का निर्देशन किया, जोकि काफी सफल व चर्चित हुई। जिसके कारण उनकी बतौर निर्देशक कन्नड़ 'फुल मील्स' मिली। जिसकी शूटिंग बड़े जोरशोर से कर्ना टक के विभिन्न जगहों में कर रहे है। उनकी पहली फिल्म ही टाइटल की वजह से काफी चर्चित हो गयी है। इस फिल्म में हीरो लिकिथ शेट्टी और हीरोइन खुशी रवि और तेजस्विनी शर्मा है।रंगायन रघु, साधु कोकिला और विजय चेंदूर जैसे कलाकार इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के बारे में निर्देशक एन विनायक कहते है," यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जोकि आजकल के युवा पीढ़ी को ध्यान में रखकर बना रहे है। यह एक फोग्राफर की कहानी है। इसमें चार गाने है। यह दर्शकों के लिए सभी मसालों से भरपूर 'फुल मील्स' है। इससे ज्यादा नहीं बता सकता हूँ, आगे परदे पर देखिये। इस साल के अंत तक रिलीज़ हो जायेगी।'

आयकर विभाग ने बदला 'रिटर्न फॉर्म' अब करदाता को देनी होंगी 13 और जानकारियां

करदाताओं की बढ़ेगी परेशानियां : शंकर ठक्कर

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया इस वर्ष के बजट में सरकार ने आयकरदाताओं को कई सुविधाएं दी हैं और कुछ निगरानी भी बढ़ाई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी किए गए नए इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म में कई बदलाव किए गए हैं। जिसमें १३ प्रकार की नई जानकारियां देनी होगी जिससे कर दाताओं की उलझने बढ़ेगी।इसमें क्रिप्टोकरंसी से लेकर शेयर बाजार से जुड़ी कई और जानकारियों का खुलासा करना होगा। कुल मिलाकर अब आपके हर खर्च और निवेश पर आयकर विभाग की नजर रहेगी और जरा सी चूक भारी पड़ सकती है। हालांकि, नए फॉर्म में इंडिविजुअल टैक्सपेयर्स के लिए ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है।सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (सीबीडीटी) ने इस बार बहुत पहले ही इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म नोटिफाई कर दिया था, ताकि बाद में टैक्सपेयर्स को आईटीआर भरने में जल्दबाजी का सामना न करना पड़े।पहले आमतौर पर मई-जून तक आईटीआर फॉर्म आ जाता था, जिससे जुलाई में लौटने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती थी और तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस बार फॉर्म जल्दी पहुंचने के कारण करदाता 1 अप्रैल से वित्त वर्ष समाप्त होते ही रिटर्न भर सकते हैं. सीबीडीटी ने रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2023 ही तय की है।नए आईटीआर फॉर्म में शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग अलग से दिखानी होगी, जिसमें आपका कुल टर्नओवर और उससे होने वाला मुनाफा शामिल होगा। ट्रस्ट को दिए गए दान पर आयकर की धारा 80 जी के तहत छूट दी गई है, इसलिए अब दानकर्ता को यूनिक नंबर दर्ज करना होगा अगर काटा गया टीसीएस किसी अन्य व्यक्ति से संबंधित है, जिसे आपको ट्रांसफर करना है तो अब उसे रिटर्न फॉर्म में भी दिखाना होगा।व्यापारियों को अब चुनी हुई व्यवस्था की जानकारी देनी होगी, ताकि नई व्यवस्था में वापस जाने से रोका जा सके।अगर आप क्रिप्टो में निवेश करते हैं तो इससे होने वाले लाभ या हानि को भी रिटर्न में बताना होगा ।नए रिटर्न फॉर्म में अगर किसी पार्टनरशिप फर्म ने नया पार्टनर जोड़ा है या पुराना पार्टनर रिटायर हो गया है तो इसकी भी जानकारी देनी होगी और बदलाव की तारीख भी लिखनी होगी अगर आपने रिश्तेदारों या दोस्तों से एडवांस लिया है तो इसकी जानकारी भी आपके इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म में शामिल होगी रिटर्न फॉर्म में ट्रस्ट के पूर्व में किए गए निवेश की जानकारी भी शामिल होगी।ट्रस्ट को मिले गुप्त दान का खुलासा करना भी जरूरी हो गया है. इस राशि पर निर्धा रितराशि से अधिक कर लगाया जाएगा। चंदा लेने वाले राजनीतिक दलों को अब रिटर्न फॉर्म में भी चुनाव आयोग से मिली मान्यता का खुलासा करना होगा।क्रिप्टो के अलावा अगर आप एनएफटी या अन्य वर्चुअल एसेट्स खरीदते या बेचते हैं तो वह जानकारी भी आईटीआर में देनी होगी।जिन करदाताओं ने पहले नई व्यवस्था अपनाई थी, उन्हें अब आईटीआर में यह जानकारी देनी होगी।जिन लोगों ने विदेशी बाजारों में या संस्थागत निवेशकों के साथ पैसा लगाया है, उन्हें भी इसे आईटीआर में दिखाना होगा।महासंघ के महामंत्री तरुण जैन ने कहा कुल मिलाकर करदाताओं को कई सारी और जानकारियां देनी होगी जिससे करदाताओं की उलझने बढ़ेगी और अधिक जानकारी देने के लिए रिटर्न फाइलिंग के लिए ज्यादा चार्ज चुकाने पड़ेंगे। एक तरफ सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस अभियान चलाकर व्यापार के सरलीकरण की बात कर रही है और दूसरी तरफ करदाताओं की उलझने बढ़ा रही है।

'पुश इंडिया पुश चैलेंज' के विजेता के लिए 1 करोड़ से अधिक धनराशि की घोष□ा

- अभिनेत्री सारा अली खान, लारा दत्ता ने 'पुश इंडिया पुश चैलेंज' को सोशल मीडिया पर किया प्रमोट
- राजेंद्र सोमानी ईनिसीटिव द्वारा पुश इंडिया पुश चैलेंज से देश में फिटनेस और स्पोर्ट्स को एक साथ बढ़ाने पर जोर

मुंबई। देश में युवाओं में हेल्थ, फिटनेस और स्पोर्ट्स को लेकर जागरूकता बढ़ी है। स्वास्थ्य और खेल के लिए कई सारे स्पोर्ट्स प्रतियोगिता और चैलेंज आयोजित किया जाता है लेकिन हाल में ही घोषित 'पुश इंडिया पुश चैलेंज' अपनी भारी भरकम इनाम राशि की वजह से चर्चा में है। किसी भी सामाजिक ईनिसीटिव के तहत 'पुश इंडिया पुश चैलेंज' ऐसी पहली प्रतियोगिता है जिसके विजेताओं को 1 करोड़ रुपए से भी अधिक की पुरस्कार राशि दी जाएगी। श्री छत्रपति शिव स्पोर्ट्स

कॉम्प्लेक्स पुणे स्थित बालेवाड़ी में पुश इंडिया पुश का ग्राउंड इवेंट 15 अप्रेल 2023 को आयोजित किया जाएगा। इसमें 18 वर्ष या उससे अधिक के महिला और पुरुष दो विभिन्न वर्गों में भाग ले सकते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान, लारा दत्ता, एनएसजी कमांडो भूषण वर्तक, डॉ धनंजय मोरे, सुहास खामकर, मनीष एडविलकर और अमृता रायचंद जैसे कई सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पुश इंडिया पुश मोमेंट को प्रमोट किया है।

'पुश इंडिया पुश चैलेंज' इस पैमाने पर अपनी तरह की पहली अपरंपरागत और अग्रणी पहल है, जो भारतीय पुरुषों और महिलाओं के स्वास्थ्य को ताकत और फिटनेस के नए स्तर तक ले जाने के लिए है। यह पुश-अप चुनौती भारतीयों के लिए बेहतर स्वास्थ्य, अधिक शारीरिक क्षमता और सहनशक्ति को स्थापित करने और जीवन के कठिन समय को आसानी से सहन करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाने के लिए है। यह खेल, फिटनेस और वेलनेस के जरिए देश से जुड़ने की एक पहल है।राजेंद्र सोमानी इनिशिएटिव द्वारा आयोजित 'पुश इंडिया पुश चैलेंज' के बारे में बताते हुए आदर्श सोमानी ने कहा कि हमारे फाउंडर राजेंद्र सोमानी की स्मृति में पुश इंडिया पुश का उद्देश्य देश के लिए स्वस्थ इंडिया को प्रमोट करना है। साथ ही हम दूसरे खेलों में बेतहाशा प्राइज़ मनी रखते हैं। लेकिन पुश आप जैसे महत्वपूर्ण एक्साइज और अन्य खेलों के प्रति कोई अटेंशन नहीं देते हैं। राजेंद्र सोमानी ईनिसीटिव द्वारा आयोजित 'पुश इंडिया पुश चैलेंज' राष्ट्रीय कैंपेन किसी प्रायोजक और ब्रांड प्रचारक के सहयोग के बिना किया जाएगा। इस आयोजन में किसी भी तरह से प्रचार और ब्रांडिंग के माध्यम से कोई पैसा कमाने की पहल नहीं है। www.pushindiapush.com पर विजिट करके प्रतिभागी पंजीकरण कर सकते हैं। यह पुश-अप चैलेंज कोई सामान्य पुश-अप कैंपेन नहीं है, यह भारत के लोगों के बीच पूर्ण फिटनेस जागरूकता और उत्कृष्टता की नई और अगले स्तर और उससे आगे तक बढ़ा रहा है। पुश अप चैलेंज के इस पहले सीज़न में भारत के 29 राज्यों से पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए अभूतपूर्व भागीदारी और समान अवसर देखने की उम्मीद है और विजेताओं के लिए कुछ शानदार पुरस्कारों के साथ बेहद रोमांच देखने को मिलेगा।

पुलिस अधिकारी को निलंबित कर कार्यवाही के लिए प्रतिनिधिमंडल ने की डीजी से भेंट

महाराष्ट्र में पिछले दिनों में बढ़ी वारदातों पर हो उचित कार्यवाही :शंकर ठक्कर

कॉन्फेडरेशनऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री एवं अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर ने बताया प्रगति ज्वेलर्स, ब्रह्मांड सर्कल, घोडबंदर रोड, ठाणे (प.) में 36 दिन पूर्व कापुरबावडी पुलिस स्टेशन के एपीआई संतोष पिंगले एवं साथी पुलिस अधिकारी ने गलत आरोपी को दुकान मे लाकर, चोरी के गहने लेने का झूठा आरोप डालकर वसूली के उद्देश्य को पूरा करना चाहा लेकिन उद्देश्य पूरा न होने पर दुकान के बेगुनाह कर्म चारी के साथ मारपीट की,अभद्र माँ बहन तक की गाली गलौच की और व्यापारी को बदनाम करने की नाकाम कोशिश की लेकिन पुलिस ने माल बेचने की तारीख बताने पर दुकानदार ने उपलब्ध सीसीटीवी बताएं जिनमें कथित गुनहगार दुकान पर आया ही नहीं यह स्पष्ट हो गया जिससे पुलिस अपने मकसद में

नाकाम रही। इसके बाद दुकानदार द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री जिनके पास गृह मंत्रालय का भी अख्तियार है, पुलिस महानिदेशक, थाने के पुलिस आयुक्त इन सभी को इस घटना की जानकारी देकर उचित कार्यवाही करने की गुहार लगाई लेकिन इस घटना के 36 दिन बीत जाने का बाद भी पुलिस अधिकारी स्वतंत्र बेखौफ घूम रहा है, व्यापारी पंकज जैन को अलग-अलग माध्यम से इस विषय को खत्म न करने पर बुरे अंजाम की धमकिया दिला रहा है, जिससे व्यापारी की प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठान को हानि तो पहल से ही पहुँच चुकी है लेकिन अब उसे एवं उसके परिवार का जान की जोखिम बढती जा रही है। व्यापारी को समझ नही आ रहा है कि आखिर इस गुनाहगार पुलिस अधिकारी को इतने दिनो बाद भी पुलिस अधिकारी क्यो बचा रहे है ? इन सभी बातो को लेकर महाराष्ट्र के पुलिस महानिदेशक रजनीस सेठ साहब को अवगत कराया गया। उन्होने उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। ठाम के सह सचिव अशोक बड़ालाने कहा निर्दोष कर्म चारी के साथ मारपीट के बाद 4 दिन तक उसे थाने के सिविल अस्पताल में इलाज करवाया गया उसके बाद भी वह इस हादसे की वजह से घबराया हुआ रहता था और बाद में उसने डर के मारे थाने छोड़ अपने गांव के लिए चला गया। इसी तरह इस दुकान में काम करने वाले अन्य कर्म चारीभी डर के मारे काम छोड़ कर चले गए जिससे प्रतिष्ठा के साथ साथ व्यापारिक अपने व्यापार से भी हाथ धोना पड़ रहा है आज उसका व्यापार इस घटना के बाद करीब 60% कम हो गया है जिसकी भरपाई कौन करेगा?कैट के मुंबई अध्यक्ष दिलीप माहेश्वरी ने कहा आए दिन व्यापारियों पर हो रही ऐसी घटनाओं से व्यापारी चिंतित है इसलिए पुलिस विभाग द्वारा उचित कार्यवाही करनी आवश्यक है।शंकर ठक्कर ने आगे कहा पिछले कुछ महीनों में महाराष्ट्र भर में कई व्यवसायियों के साथ ऐसी घटनाएं हुई है इसलिए पुलिस विभाग को बाजारों में ज्यादा गस्त लगानी चाहिए और व्यापारियों को सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए हाल ही में थाने ने के लोकमान्य नगर में एक सलून व्यापारी को कुछ गुंडों द्वारा उगाही के मकसद से धमकाया जा रहा था जिसका सही समय पर संज्ञान ना लेने पर व्यापारी को आत्महत्या करनी पड़ी इसलिए ऐसी घटनाओं में जवाबदार पुलिस अधिकारियों को भी तलब कर उचित कार्यवाही की जानी चाहिए अन्यथा व्यापारी स्थलांतरित होने पर मजबूर होंगे जिसके लिए राज्य की प्रतिष्ठा एवं राजस्व का भी नुकसान होगा।इस बैठक में शंकर ठक्कर, दिलीप माहेश्वरी,अशोक बडाला घोडबंदर ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं प्रगति ज्वेलर्स के मालिक पंकज जैन आदि उपस्थित थे।

अवनी तालिका में शीर्ष पर

मनीला (फिलीपींस)। भारतीय महिला गोल्फर अवनी प्रशांत ने दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर क्वीन सिरीकिट ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप मे तीसरे दिन अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अब अवनी का कुल स्कोर 12 अंडर 204 का है जिससे उन्होंने स्थानीय खिलाड़ी रियाने मिखाएला मालिक्सी (209) पर पांच शॉट की बढ़त बनाई हुई है। अवनी के प्रदर्शन से भारत अपने पहले क्वीन सिरीकिट कप खिताब की दौड़ मे बना हुआ है। टीम केवल दो शॉट पीछे दूसरे स्थान पर चल रही है।

ओडिशा ने प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया

बेंगलुरू। बेंगलुरू एफसी ने गुरुवार को यहां इंडियन सुपर लीग में एफसी गोवा को 3-1 से हराकर अपनी लगातार आठवी जीत दर्ज की जिससे उसका शीर्ष चार मे स्थान सुनिश्चित हो गया। ओडिशा के लिए शिवशक्ति नारायणन ने छठे और 76वे मिनट मे दो गोल दागे और उसके लिए एक अन्य गोल पाब्लो पेरेज ने 81वे मिनट मे दागा। एफसी गोवा के लिए एकमात्र गोल इकेर गुआरोटजेना ने 33वे मिनट मे किया। इस हार से एफसी गोवा की प्लेऑफ की दौड़ खत्म हुई और ओडिशा एफसी का प्लेऑफ मे छठी और अंतिम टीम के तौर पर प्रवेश हुआ।

क्रिकेटर चाहर बने उद्यमी

मुंबई। भारत के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक चाहर फैंटेसी गेम प्लेटफॉर्म ट्रेड फैंटेसी गेम के साथ गेमिंग स्पेस में प्रवेश किया। उनकी पत्नी जया चाहर सह संस्थापक के रूप में वेंचर एंटरप्रेन्योरियल स्पेस में पदार्पण करेंगी। जेसीडीसी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ के रूप में काम करेंगी। दीपक चाहर, जो ब्रांड एंबेसडर की भूमिका भी निभाएंगे, वह 5 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं में अपने प्रशंसक आधार के साथ जुड़ने का प्रयास करेंगे। जेसीडीसी स्पोर्ट्स प्रा लिमिटेड मार्च 2022 में स्थापित एक स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी कंपनी है और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2024 तक 1 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंचना है और अगली 2 तिमाहियों में 2 नई सुविधाओं को पेश करना है ताकि पहुंच और जुड़ाव को बढ़ाया जा सके जिससे बड़े उपयोगकर्ता अधिग्रहण हो सकें।

झारखंड, हरियाणा महिला हॉकी के सेमीफाइनल में

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश),। झारखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश ने गुरुवार को यहां 13वी हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। झारखंड ने अल्का डुंगडुंग (48वे मिनट) और अलबेला रानी टोप्पो (52वे मिनट) के गोल से पंजाब को 2-0 से हराकर अंतिम चार मे जगह बनाई।

पीएसपीबी ने बैडमिंटन चैम्पियनशिप खिताब जीता

पुणे। पैट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) ने गुरुवार का यहां फाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मणिपुर को 3-2 से हराकर 75वी अंतरराज्यीय-अंतरक्षेत्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप का टीम चैम्पयनशिप खिताब अपने नाम किया। डिकू सिंह कोंथोऊजाम और प्रिया देवी कोंजेगबाम ने मिश्रित युगल मैच मे मनु अत्री और अश्विनी पोनप्पा को 20-22, 21-18, 21-15 से हराकर उलटफेर कर मणिपुर को शानदार शुरूआत कराई। मेसनाम मेराबा ने फिर राष्ट्रीय चैम्पियन सौरभ वर्मा को 26-24, 21-14 से हराकर मणिपुर को 2-0 से आगे कर दिया।

हर खिलाड़ी करियर में बुरे दौर से गुजरता है : गंभीर

● कम रन बनाने के लिए सिर्फ लोकेश राहुल को निशाना नही बनाया जाना चाहिए

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का मानना है कि सिर्फ लोकेश राहुल की आलोचना करना थोड़ा अनुचित होगा क्योंकि क्योंकि प्रत्एक खिलाड़ी अपने करियर में बुरे दौर से गुजरता है। गंभीर ने लखनऊ सुपर जाइंट्स द्वारा आयोजित आईपीएल सत्र पूर्व शिविर के दौरान पीटीआई से कहा, लोकेश राहुल को भारतीय टीम से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। किसी एक खिलाड़ी को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। सभी बुरे दौर से गुजरते हैं। किसी को भी, किसी क्रिकेट विशेषज्ञ या किसी को भी उसे यह नहीं कहना चाहिए कि वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा और टीम से बाहर कर दिया जाएगा। गंभीर लखनऊ की टीम के मार्गदर्शक और राहुल इसी टीम के कप्तान हैं। गंभीर ने भारत के मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा का उदाहरण दिया कि कैसे पूर्ववर्ती टीम प्रबंधन ने उनका समर्थन किया जिससे कि वह टेस्ट क्रिकेट में सफल हो सकें। रोहित ने जब पारी का आगाज शुरू किया तो पारंपरिक प्रारूप में उन्हें सफलता मिलने लगी। उन्होंने कहा, आपको ऐसे खिलाड़ियों का समर्थन करना होता है जिसमें प्रतिभा है। रोहित शर्मा को देखिए। वह भी खराब दौर से गुजरा। देखिए जिस तरह उसने अपना करियर शुरू किया। उसने देर से सफलता हासिल की। उसके पहले के प्रदर्शन की तुलना अब के प्रदर्शन से कीजिए। सभी उसकी प्रतिभा को देख सकते थे और उसका समर्थन किया। अब नतीजा देखिए। वह शानदार प्रदर्शन कर रहा है। राहुल भी ऐसा ही कर सकता है। गंभीर का मानना है कि अगर टीम आसानी से मैच जीत रही है तो फिर विजई संयोजन से छेड़छाड़ करने और किसी एक खिलाड़ी को निशाना बनाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, भारत 2-0 से आगे है और 0-2 से पीछे नहीं है। इसलिए किसी को बाहर मत कीजिए और टीम के प्रदर्शन की सराहना कीजिए।

मैक्सवेल, मार्श व रिचर्डसन ऑस्ट्रेलियाई टीम में

● अगले महीने भारत के खिलाफ वनड सीरीज में खेलेंगे

ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल और मिशेल मार्श के अलावा झाय रिचर्डसन को अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैच की श्रृंखला के लिए गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्ईय एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया। इस श्रृंखला के साथ इन तीनों की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होगी। इसके अलावा पैट कमिंस, डेविड वार्नर और एश्टन एगर को भी टीम में जगह मिली है। तीन एकदिवसीय मुकाबले 17 मार्च को मुंबई, 19 मार्च को विशाखापत्तनम और 22 मार्च को चेन्नई में खेले जाएंगे। परिवार के सदस्य के बीमार होने के कारण कमिंस नई दिल्ली में भारत में खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद स्वदेश लौट आए थे जबकि एगर को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया। दूसरी तरफ वार्नर कोहनी की चोट के कारण बाकी बचे दो टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कमिंस हालांकि एक मार्च से इंदौर में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए भारत लौटेंगे। मैक्सवेल और मार्श क्रमश: पैर और टखने की चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। नवंबर में अजीब हालात में अपना पैर फ्रेक्चर करवाने वाले मैक्सेल ने पिछले हफ्ते प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है जबकि मार्श ने पिछले साल नवंबर में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में हिस्सा लिया था। चोट से उबरने में नाकाम रहने के कारण टेस्ट श्रृंखला के बीच से स्वदेश लौटे तेज गेंदबाज हेजलवुड वनडे श्रृंखला से भी बाहर हो गए हैं। पिछले साल के मध्य में श्रीलंका के दौरे के बाद से चोट के कारण बाहर रिचर्डसन अब पूरी तरह से उबर चुके हैं। चयन समिति के प्रमुख जॉर्ज बेली ने टीम की घोषणा करते हुए कहा, जोश के लिए इस श्रृंखला का हिस्सा बनना शानदार होता लेकिन इंग्लैंड के बेहद महत्वपूर्ण दौरे को देखते हुए हमने रूढ़िवादी नजरिया अपनाया।

मानसिक पहलू पर काम रहे हैं मैक्सवेल, भारत में सिर्फ बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे मार्श

मेलबर्न। तीन महीने के अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट मे वापसी कर रहे ग्लेन मैक्सवेल मानसिक मजबूती वापस पाने के लिए संघर्ष कर रहे है लेकिन भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण एकदिवसीय श्रृंखला की तैयारी मे कोई कसर नही छोड़ रहे। भारत मे ही इसी साल एकदिवसीय विश्व कप भी होना है। ऑलराउंडर मैक्सवेल, मिशेल मार्श और तेज गेंदबाज झाय रिचर्डसन ने चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया की 16 सदस्ईय एकदिवसीय टीम मे वापसी की। मैक्सवेल के पैर मे फ्रेक्चर हो गया था। उन्होने कहा कि इस सप्ताह दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पर शेफील्ड शील्ड मे विक्टोरिया की जीत के दौरान क्रिकेट मे वापसी करने के बाद वह अब भी खेल के मानसिक पहलू से सामंजस्य बैठाने का प्रयास कर रहे है। क्रिकेट.कॉम.एयू ने मैक्सवेल के हवाले से कहा, शील्ड मैच के दौरान शायद बल्लेबाजी करते हुए मै मानसिक रूप से उस स्थिति मे नही था। नेट मे आप कड़ी मेहनत कर सकते है लेकिन मैच के दौरान उस मानसिकता को वापस लाना स्पष्ट रूप से एक अलग बात है। मैक्सवेल ने कहा, शायद यह कुछ ऐसा है जिस पर मै अगले कुछ मैचो मे काम करूंगा। यही कारण है कि इस 34 वर्षीय ऑलराउंडर ने अक्टूबर-नवंबर मे भारत मे एकदिवसीय विश्व कप से पहले लय मे आने के लिए ऑफ सत्र के दौरान अधिक से अधिक मुकाबलो मे खेलने का फैसला किया है।

24 तक खेलना चाहते हैं वार्नर

● एशेज टीम मे जगह बनाने की उम्मीद

खराब फॉर्म से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने गुरुवार को कहा कि अगर चयनकर्ता उनके टेस्ट करियर को खत्म करने का फैसला करते हैं तो वह 2024 तक सीमित ओवरों का क्रिकेट खेलना चाहते हैं। वार्नर भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट में रन बनाने के लिए जूझते दिखे और तीन पारियों में एक, 10 और 15 रन ही बना पाए। कनकशन (सिर में चोट लगने के कारण बेहोशी जैसी स्थिति) के कारण बाहर होने के कारण वह नई दिल्ली में दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में बल्लेबाजी नहीं कर पाए। वार्नर ने यहां सिडनी हवाई अड्डे पर कहा, मैंने हमेशा से कहा है कि मैं 2024 तक खेलना चाहता हूं। अगर चयनकर्ताओं को लगता है कि मैं टीम (टेस्ट) में जगह बनाने का हकदार नहीं हूं तो कुछ नहीं किया जा सकता और मैं सफेद गेंद का क्रिकेट खेलने का प्रयास कर सकता हूं। बाएं हाथ के इस 36 वर्षीय बल्लेबाज को खराब फॉर्म के बावजूद इस साल एशेज दौरे की टीम में जगह बनाने की उम्मीद है। मेरे पास अगले 12 महीने हैं, टीम को काफी क्रिकेट खेलना है और अगर मैं रन बनाना जारी रखता हूं और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता हूं तो टीम में अपनी जगह बना पाऊंगा और यह टीम के लिए शानदार होगा। जब आप 36 साल के होते हैं और 37 के होने वाले होते हैं तो (आलोचकों के लिए) आसानी होती है।

हुसामुद्दीन, बिश्वामित्र स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट के अगले दौर में

सोफिया (बुल्गारिया)। राष्ट्रमंडल खेलों के दो बार के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन और 2021 एशियाई युवा चैम्पियन बिस्वामित्र चोंगथाम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां स्ट्रैंड्जा मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।हुसामुद्दीन ने 57 किग्रा वर्ग के राउंड 16 मैच में इटली के मिचेले बालडासी पर 4-1 से जीत दर्ज की और अब उनका सामना क्वार्टरफाइनल में अर्मेनिया के बाजेयान आर्टुर से होगा। वहीं 51 किग्रा वर्ग में बिस्वामित्र ने कजाखस्तान के केंजे मुराटुली को 5-0 से जीत हासिल की ।

भानवाला ने कांस्य पदक जीता

● भारत को 12 साल बाद रैपिड फायर पिस्टल विश्व कप पदक दिलाया

युवा निशानेबाज अनीश भानवाला ने गुरूवार को काहिरा में आईएसएसएफ विश्व कप राइफलापिस्टल के अंतिम दिन कांस्य पदक जीतकर किसी भारतीय के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में पदक नहीं जीतने के मिथक को तोड़ दिया। यह 20 वर्षीय निशानेबाज का पहला सीनियर व्यक्तिगत विश्व कप पदक है जो तीन शूट-ऑफ के बाद मिला। भानवाला से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय निशानेबाज विजय कुमार थे, जिन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था और विश्व कप में दो पोडियम स्थान हासिल किए थे। इटली के मैसिमो स्पिनेला ने पदक मैच में 32 हिट लगाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता फ्रांस के क्लेमेंट बेसागुएट 40 शॉट के बाद दो हिट से पीछे रह गए और उन्हें रजत से संतोष करना पड़ा।

राज्यपाल को भेंट की खेल की पुस्तक

लखनऊ। भारतीय खेल् पुस्तक परंपरागत खेलों के अभिनवीनीकरण एवं अनुसंधान की दिशा में अत्याधिक उपयोगी सिद्ध होगी। यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक के लेखक आनन्द किशोर सक्सेना से भेंट के उपरांत कही। लेखक आनन्द किशोर सक्सेना ने देश व प्रदेश में परंपरागत, स्वदेशी खेलों का बढ़ावा देने के अपने प्रयास के तहत 601 पन्नों की ये पुस्तक लिखी। उन्होंने राज्यपाल को अपनी पुस्तक भारतीय खेल् की प्रति भेंट की। उनके इस प्रयास की राज्यपाल ने प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय खेल संभवतः भारत की पहली पुस्तक है, जिसमें लगभग सभी 300 से अधिक स्वदेशी भारतीय संस्कृति के खेलों को सम्मिलित किया गया है। पुस्तक के लेखक ने बताया कि इस पुस्तक को 8 भागों में लिखा गया है । आधुनिक खेल, नॉन ओलंपिक खेल, परम्परागत खेल,बौद्दिक सनातन संस्कृति के खेल,ग्रामीण खेल, थारू जनजाति के खेल, खेल के जरिये समावेशन, लोक कला व लॉक विधायें तथा विविध में प्रतियोगी परिक्षाओं में आने वाले प्रश्न, नई शिक्षा नीति और परम्परागत खेल तथा खेल संघों व उनके खिलाड़ियों की समस्यायें। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव एके रायजादा, लखीमपुर खीरी नॉन ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील सिंह तोमर तथा जिला नान ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव सुनील जैन मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ ने खेलोन्मुखी बजट को सराहा

लखनऊ। योगी सरकार के इस खेलोन्मुखी बजट की उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा. आनन्देश्वर पाण्डेय ने सराहना की। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने खेलों के लिए खजाना खोला है, इसके लिए उनको साधुवाद। उन्होंने ये भी कहा कि सीएम के कार्यकाल में प्रदेश जिस तरह खेलों के नए आयाम को छू रहा है। उन्होंने खेलों के लिए बजट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के लिए खेल राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव,अपर मुख्य सचिव खेल नवनीत सहगल खेल निदेशक आरपी सिंह को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए आईपीएल फाइनल से बाहर हो सकते हैं स्टोक्स

दुनिया के शीर्ष ऑलराउंडर बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को इंग्लैंड के प्रति अपने फर्ज के आड़े नहीं आने देंगे और उन्होंने कहा है कि अगर उनकी फ्रेंचाइजी फाइनल में जगह बनाती है तो वह एशेज श्रृंखला से पहले स्वदेश लौटकर आयरलैंड के खिलाफ राष्ट्रीय टीम की अगुआई करने को प्राथमिकता देंगे। स्टोक्स दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग के पिछले टूर्नामेंट में नहीं खेल पाए थे लेकिन 31 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सत्र में सीएसके का प्रतिनिधित्व करने को तैयार हैं। आईपीएल का फाइनल 28 मई को होना है जबकि इंग्लैंड एक जून से एकमात्र टेस्ट में आयरलैंड से भिड़ेगा। सीएसके की टीम सत्र का अपना पहला मैच तीन अप्रैल को लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ खेलेगी। स्टोक्स से जब पूछा गया कि अगर सीएसके खिताबी मुकाबले के लिए क्वालीफाई कर लेती है तो क्या वह इंग्लैंड के लिए खेलेंगे तो उन्होंने कहा, हां, मैं खेलूंगा।

बेंगलुरू ओपन : नागल हारे, अनिरूद्ध-प्रशांत युगल के सेमीफाइनल में

सुमित नागल ने गुरूवार को यहां बेंगलुरू ओपन के प्री क्वार्टरफाइनल में आस्ट्रेलिया के मैक्स पर्सेल से 4-6, 6-3, 6-3 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। हालांकि भारतीय खेमे के लिए खुशी की खबर अनिरूद्ध चंद्रशेखर और एन प्रशांत की युगल जोड़ी के सेमीफाइनल में पहुंचने की रही। इस भारतीय जोड़ी ने जिम्बाब्वे के बेंजामिन और आस्ट्रेलिया के अकीरा सैंटीलान को 3-6, 6-4, 12-10 से पराजित किया। पिछले दौर में वियतनाम के नाम होआंग लि के खिलाफ तीन सेट में जीत दर्ज करने वाले नागल ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। पर आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पर्सेल ने दूसरे सेट में अपना दमदार प्रदर्शन करते हुए वापसी की। गत विम्बलडन युगल चैम्पियन पर्सेल ने तीसरे सेट में भी यही दबदबा बनाया और मैच जीत लिया। पांचवें वरीय लुका नार्डी और दिमितार कुजमानोव ने भी विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। नार्डी ने जेसन जंग को 7-5, 5-7, 6-2 से हराया जबकि कुजमानोव ने अलीबेक काचमाजोव को 6-3, 6-4 से पराजित किया।

अल्कारेज रियो ओपन में जीते

रियो डी जिनेरियो। शीर्ष वरीय कार्लोस अल्कारेज ने यहां मातियस आल्वेस को सीधे सेट मे हराकर रियो ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर मे जगह बनाई। उन्नीस साल के गत चैंपियन अल्कारेज ने पिछले दिन बारिश के कारण स्थगित हुए मैच के अंतिम दो गेम जीतकर बुधवार को आल्वेस को 6-4 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। अल्कारेज अगले दौर मे फाबियो फोगनिनी से भिड़ेगे जिन्होने इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट मे टॉमस बारियोस को 6-2 6-3 से हराया। स्पेन के किशोर अल्कारेज पैर के मांसपेशियो की चोट के कारण चार महीने कोर्ट से दूर रहे। उन्होने पिछले हफ्ते अर्जेन्टीना ओपन के साथ वापसी की जहां उन्होने पिछले साल अमेरिकी ओपन के बाद पहला खिताब जीता और इस दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया। अल्कारेज 2021 मे एटीपी इतिहास मे साल का अंत दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी के रूप मे करने वाले पहले किशोर खिलाड़ी बने थे। वह अभी रैंकिंग मे दूसरे स्थान पर है लेकिन 2023 मे नोवाक जोकोविच को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल करना उनका मुख्य लक्ष्य है। बुधवार को अन्य मुकाबलो दूसरे वरीय कैमरन नोरी ने थियागो मोंटेइरो को 7-5 7-5 से हराया।

सबालेंका, स्वियातेक दुबई में जीते

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन एरिना सबालेंका ने एलेना ओस्टापेंको को हराकर इस साल लगातार 13वीं जीत दर्ज की और दुबई टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी सबालेंका ने ओस्टापेंको को 2-6 6-1 6-1 से हराया। सबालेंका क्वार्टर फाइनल में बारबरा क्रेसिकोवा से भिड़ेंगी जिन्होंने चेक गणराज्य की अपनी साथी खिलाड़ी पेत्रा क्वितोवा को बुधवार को 6-3 6-2 से हराया। इससे पहले शीर्ष रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक ने ल्युडमिला सैमसोनोवा को सीधे सेट में आसानी से 6-1 6-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। पोलैंड की 21 साल की स्वियातेक इसके बाद वाकओवर मिलने पर सेमीफाइनल में पहुंच गई जब पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कैरोलिना प्लिसकोवा बीमारी के कारण टूर्नामेंट से हट गई। प्लिसकोवा ने एनहेलिना केलिनिना को 7-5 6-7(6) 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

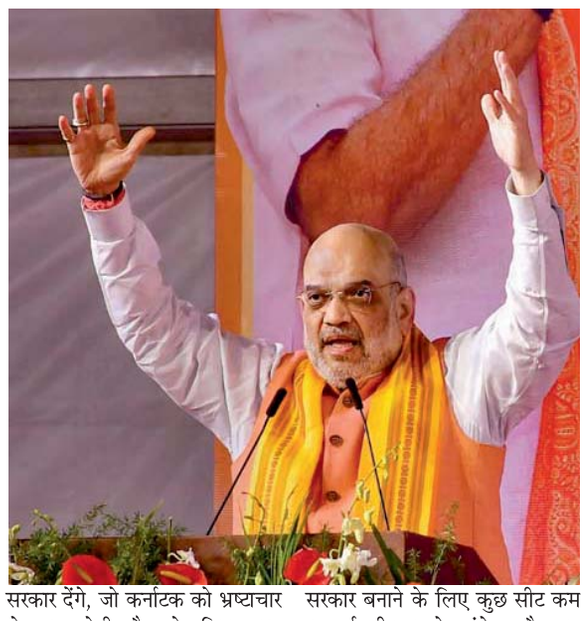

कर्नाटक को दक्षिण में नंबर-1 राज्य बनाएंगे : शाह

● भाजपा ऐसी सरकार देगी, जो राज्य को भ्रष्टाचार-मुक्त करेगी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कर्नाटक की जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा पर भरोसा जताने की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ऐसी सरकार देगी, जो राज्य को भ्रष्टाचार-मुक्त करेगी तथा इसे पांच वर्ष में दक्षिण भारत का नंबर-एक राज्य बना देगी। शाह ने बेल्लारी जिले में कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले संदूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे नीत कांग्रेस तथा जनता दल (सेक्यूलर) पर यह कहते हुए निशाना साधा कि ए वंशवादी दल हैं, जो आम जनता के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा भारत को मजबूत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़ी है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और एदियुरप्पा पर एक बार भरोसा करें, और हम ऐसी सरकार देंगे, जो कर्नाटक को भ्रष्टाचार से मुक्त करेगी और इसे दक्षिण भारत में नंबर-एक राज्य बनाएगी। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव मई में होने हैं। शाह ने याद किया कि 2018 के विधानसभा चुनाव में, भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी, लेकिन सरकार बनाने के लिए कुछ सीट कम रह गई थी। इससे कांग्रेस और जद (एस) के बीच शक्ति का खेल हुआ और कर्नाटक में भ्रष्टाचार हुआ। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा,कांग्रेस और जद (एस) दोनों ही वंशवादी दल हैं। वंशवादी दल लोकतंत्र में लोगों का भला नहीं करते हैं। उन्होंने दावा किया, मैं कर्नाटक के लोगों को बताना चाहता हूं कि जद (एस) को दिया गया हर वोट कांग्रेस को जाएगा और कांग्रेस को दिया गया हर वोट अंततः सिद्धरमैया और उनकी एटीएम सरकार को जाएगा, जो दिल्ली का एटीएम था और भ्रष्टाचार में लिप्त था। शाह ने विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस खेमे में कथित अंदरूनी कलह का मज़ाक उड़ाने की कोशिश की। मुख्यमंत्री का केवल एक पद है, जिसके लिए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया दोनों (आपस में) लड़ रहे हैं। (कांग्रेस में) दौड़ में अन्य आकांक्षी भी हैं। वे कर्नाटक के लोगों के लिए अच्छा नहीं करेंगे। अगर लोग कल्याण कर्नाटक क्षेत्र का कल्याण (अच्छा) करना चाहते हैं, तो उन्हें राज्य में भाजपा को सत्ता में वापस लाना चाहिए। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। मंत्री ने विभाजनकारी कांग्रेस के खिलाफ लोगों को आगाह किया और कहा कि केवल मोदी ही भारत की रक्षा कर सकते हैं और देश को समृद्ध बना सकते हैं। उन्होंने कहा, एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा भारत को मजबूत कर रही है और दूसरी तरफ राहुल गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गिरोह से जुड़ी है। आपको दोनों के बीच चुनाव करना है। जब 10 साल तक देश में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) का शासन था तब पाकिस्तान ने भारत में कई हमले किए, लेकिन तत्कालीन सरकार ने जवाबी कार्वाई नहीं की। उस वक्त सोनिया गांधी यूपीए की अध्यक्ष थीं। मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद भी पाकिस्तान ने उरी और पुलवामा में भारत पर हमले किए, लेकिन 10 दिनों के भीतर पड़ोसी देश के अंदर सर्जिकल और हवाई हमले किए गए ।

ईयू का भारत की अध्यक्षता पर भरोसा : राजदूत

● कहा, यूक्रेन संकट का जी20 की कार्यवाही पर प्रभाव पड़ेगा

यूक्रेन पर रूस के हमले के एक वर्ष पूरा होने की पूर्वसंध्या पर यूरोपीय संघ (ईयू) के राजदूत उगो एस्टुटो ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस संकट का जी20 की कार्यवाही पर प्रभाव पड़ेगा, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि कार्यवाही को सार्थक बनाने के लिए समूह की भारत की अध्यक्षता पर भरोसा करता है। एस्टुटो ने कहा कि रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखने को लेकर यूरोप भारत की स्थिति को समझता है, और यूक्रेन संघर्ष पर भारत के रूख की सराहना करता है।

ईयू के राजदूत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत पांच दिनों बाद जी20 समूह के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी करने वाला है। इसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लॉवरोव, ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली, फ्रांस के विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना सहित अन्य शामिल होंगे। ईयू 27 देशों का समूह है। एस्टुटो ने कहा कि स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी और इस संकट का समूह की कार्यवाही पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में कार्यवाही को सार्थक बनाने के लिए यूरोपीय संघ जी 20 समूह की भारत की अध्यक्षता पर भरोसा करता है। यूरोपीय संघ के राजदूत ने पीटीआई भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि संघर्ष को लेकर भारत की आवाज प्रभावी है।

उन्होंने कहा, जब जी20 की बात आती है, अपरिहार्य रूप से पहले जैसी बात नहीं रहेगी और जी20 पर इसका प्रभाव पड़ेगा। लेकिन इस संदर्भ में कार्यवाही को सार्थक बनाने के लिए यूरोपीय संघ जी20 समूह की भारत की अध्यक्षता पर भरोसा करता है। जितना हो सकेगा, हम भारत की अध्यक्षता का समर्थन करेंगे। गौरतलब है कि युद्ध में यूरोप पुरजोर तरीके से यूक्रेन का समर्थन कर रहा है जिसमें संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार 7,000 से अधिक नागरिक मारे गए हैं और हजारों घायल हो गए हैं। यूरोपीय संघ द्वारा रूस के खिलाफ दंडात्मक प्रतिबंध लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है, साथ ही यह समूह यूक्रेन को सैन्य मदद सहित हर तरह का सहयोग प्रदान कर रहा है।

ईयू के राजदूत ने कहा कि रूस से कच्चे तेल खरीदना जारी रखने के बारे में यूरोप, भारत की स्थिति को समझता है। उन्होंने कहा, मैं सोचता हूं कि यूरोप अपने लोगों के लिए ऊर्जा की खरीद को लेकर भारत की बाध्यताओं को समझता है और सम्मान करता है।

उन्होंने कहा कि रूस के कच्चे तेल पर जी-7 का मूल्य नियंत्रण वास्तव में कई देशों के लिए काम कर रहा है, जिसमें भारत भी शामिल है।उन्होंने कहा, हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सभी सहयोगियों से कहा है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के बचाव के लिए सभी साथ आएं। गौरतलब है कि जी7 समूह का मूल्य नियंत्रण दिसंबर से प्रभावी हो गया जिसमें देशों को तेल खरीद पर रूस को प्रति बैरल 60 डालर से अधिक भुगतान की मनाही की गई है।

टाइगर-कृति की फिल्म 'गणपत' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ इस समय चर्चा में हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी अपकमिंग मूवी गणपत का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फैंस काफी समय से इस एक्शन थ्रिलर गणपत का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब उनका इंतजार खत्म होता नजर आ रहा है, क्योंकि पूजा एंटरटेनमेंट ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इस शानदार वीडियो में टाइगर ऐक्शन मोड में नजर रहे हैं और अपनी फिट बॉडी फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तो वहीं इस फिल्म में टाइगर के साथ अभिनेत्री कृति सेनन भी एक्शन करते हुए नजर आने वाली है। इस फिल्म को मेकर्स एक नहीं बल्कि दो भागों में बनाने वाले हैं। जिसका पहला भाग दशहरा 2023 के मौके पर रिलीज होने वाला है। यही नहीं, ये टाइगर श्रॉफ की पहली पैन इंडिया फिल्म भी बनने वाली है। जिसे निर्माता-निर्देशक हिंदी के अलावा, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज करने वाले हैं। फिल्म के इस धमाकेदार टीजर को शेयर करते हुए टाइगर श्रॉफ ने लिखा, 'ऐसी एक दुनिया जहां आतंक का है राज, वहां गणपत आ रहा है बनके अपने लोगों की आवाज। शानदार एंटरटेनर 20 अक्तूबर 2023 को रिलीज कर रहा हूं। टीजर में टाइगर एक बार फिर एक्शन हीरो के रूप में दिखे। जिस चीज ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह यह है कि टाइगर श्रॉफ की बाजू पर फिल्म की रिलीज डेट छपी नजर आई, जो बेहद आकर्षित करती है। बता दें कि टाइगर की यह फिल्म भी एक्शन-थ्रिलर है, जिसमें वह कृति सेनन के साथ नजर आएंगे। दोनों की जोड़ी फिल्म 'हीरोपंती' में भी नजर आई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी धमाल मचाया था।

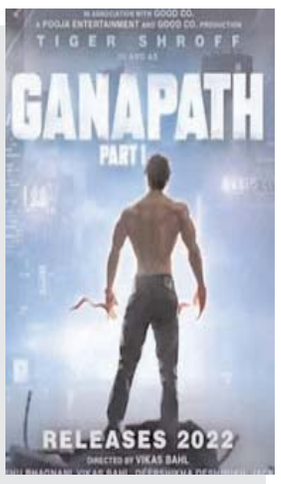

लेक्का का नया वेडिंग सॉन्ग ले जाना लांच

जैकी भगनानी के नेतृत्व में भारत के लीडिंग म्यूजिक लेबल जस्ट म्यूजिक ने शादी के इस सीजन के लिए ले जाना नाम से एक नए गाने को रिलीज किया है, जिसे पॉप सिंगर लेक्का ने गाया है। जोशपूर्ण और दिलकश डांस नंबर को मुदस्सर खान द्वारा निर्देशित और कोरियोग्राफ किया गया है और कुमार ने इसके बोल लिखे है और लिजो जॉर्ज, डीजे चेतस द्वारा इसको कम्पोज किया गया है। जस्ट 2022 में माशूका, बरसात, जैसा तुम चाहो और नैन रोंदे रहेंगे। जैसे गानों के साथ-साथ अन्य सुपरहिट गानें बनाते आ रहे है। स्ट्रैप जिसने लेबल के पॉप गायक लेक्का को पेश किया,जिसे खूब सराहा गया है। अपने नए गीत ले जाना के साथ जस्ट लेबल और लेक्का इस शादी के मौसम में स्टेज को जगमगाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। गायक लेक्का ने गीत की रिलीज पर टिप्पणी करते हुए बताया मुझे यह देखकर बहुत खुशी हुई कि हमारे प्रशंसकों ने अतीत में हमारे संगीत का कितना लुफ्त उठाया है, और मुझे उम्मीद है कि ले जाना आगामी शादियों में संगीत प्रेमियों के बीच पसंदीदा बन जाएगा।

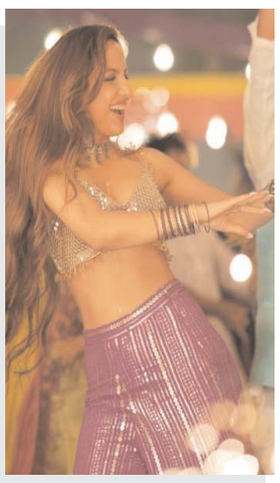

आदिपुरुष को ट्रोल करने पर फिल्म के एडिटर आशीष म्हात्रे का अब आया बयान

साउथ सुपरस्टार प्रभास की पैन इंडिया फिल्म आदिपुरुष लंबे समय से चर्चा में बनी हुई है। फैंस को इस फिल्म से काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। हालांकि, कुछ महीने पहले जब इस फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था तो यह लोगों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका था। टीजर सामने आने के बाद फिल्म की तारीफ तो दूर उल्टा लोग फिल्म के मेकर्स पर भड़क उठे थे।

90 सेकंड से बहुत आगे है फिल्म

अब आदिपुरुष के एडिटर आशीष म्हात्रे ने आदिपुरुष की आलोचना पर खुलकर बात की है। एक न्यूज पोर्टल से बात करते हुए उन्होंने बताया कि फिल्म को ट्रोल किए जाने पर पूरी टीम प्रभावित हुई थी। उन्होंने कहा कि जब टीजर की आलोचना हुई तो उससे पूरी टीम सदमे में आ गई थी। उन्होंने बताया कि फिल्म 90 सेकंड के टीजर से बहुत आगे है। इस आधार पर फिल्म को जज नहीं किया जा सकता। आशीष ने कहा, हो सकता है कि हम जो कुछ भी बताना चाहते थे, वह दर्शकों तक नहीं पहुंच पाया। दो संभावनाएं हैं - एक यह कि हमने जो दुनिया बनाई है, उसकी दर्शकों को उम्मीद नहीं थी क्योंकि वे राम और सीता को पुराने रूप में देखने के आदी थे और उम्मीद कर रहे थे कि आदिपुरुष इसी तर्ज पर होगा। दूसरा कारण यह हो सकता है कि अधिकांश लोगों ने टीजर का थ्री-डी संस्करण नहीं देखा, उन्होंने इसे अपने मोबाइल फोन पर देखा। इसलिए जब कुछ लोगों ने टीजर को फिर से थ्री-डी में देखा तो उन्होंने अपने विचार बदले और यह भी माना कि मोबाइल पर टीजर देखने से उनकी एक अलग धारणा मिली। उनमें से कई ने टीजर के थ्रीडी संस्करण को देखने के बाद अपने शब्दों और समीक्षाओं को वापस ले लिया। बता दें कि आदि पुरुष में प्रभास भगवान राम के किरदार में दिखेंग। वहीं, फिल्म में कृति सेनन ने सीता और सैफ अली खान ने रावण का रोल निभाया है।

नरगिस ने अपने फैशन से लोगों का ध्यान खींचा

नरगिस फाखरी कई मायनों में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा हैं। जिस पैनकेक के साथ वह खुद को कैरी करती है वह अद्भुत है। यहां पांच बार उन्होंने अपने फैशन फिट के साथ लोगों का ध्यान खींचा है। पहली नज़र के लिए, अभिनेत्री ने एक सार मुद्रित नेट जैकेट के साथ एक बरगंडी पोशाक के साथ इसे आरामदायक और स्टाइलिश रखा। उसने डेवी मेकअप और अतिरिक्त स्टेटमेंट इयररिंग्स ज्वेलरी का विकल्प चुना। अपने बालों के लिए, उन्होंने एक हाई पोनी चुनी और इस लुक में हर तरह की खूबसूरत लग रही थीं। दूसरे लुक के लिए नरगिस ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में हर तरह से ठाठ और क्लासी लग रही हैं। इस फिट में दो बार देखा और निश्चित रूप से हमारी सांसें थम गईं। अपने बालों के लिए, उन्होंने कर्ल के साथ साइड पार्टीशन चुना। उसने अपने श्रृंगार के लिए सूती कैंडी चमकदार होंठों के संकेत के साथ न्यूनतम गहने जोड़े। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने ब्लैक पंप्स जोड़े थे। साइड स्लिट के साथ साटन ब्लू पैंट के साथ साटन ब्लू डबल ब्रेस्टेड ब्लेज़र इसे फॉर्मल और लाउड रखता है। उसके पास मध्य-विभाजित समुद्र तट की लहरें थीं और उनके श्रृंगार के लिए, उन्होंने एक चमकदार ओस वाला लुक चुना। अपने गहनों के लिए, उन्होंने स्टेटमेंट गोल्ड चोकर के साथ न्यूनतम हुप्स का चयन किया। इस मल्टी लेयर्ड सनफ्लावर येलो ड्रेस में नरगिस किसी ड्रीम गर्ल लग रही थीं। यह खूबसूरत बॉडीकॉन ड्रेस हर लड़की की अलमारी का सपना है। उन्होंने केवल ड्रेस पर सभी की निगाहें रखते हुए न्यूनतम मेकअप का विकल्प चुना। उसने अपने बालों को ढीला कर दिया और हमें यह बिल्कुल पसंद आया। आखिरी लुक के लिए, नरगिस ने एक मोर ग्रीन बॉल गाउन चुना, जहां सभी कैमरे का ध्यान सिर्फ उन पर गया।

आयुष्मान खुराना और अमिताव घोष एक साथ आगे आए!

भारत के तीन सबसे बड़े विचारक नेता, इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति, युवा बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना और भारत के सर्वश्रेष्ठ लेखकों में से एक अमिताव घोष राष्ट्र निर्माण के विचारों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं! आयुष्मान, जो अपनी पथ-प्रवर्तक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक बेहतर समाज बनाने के लिए भारत की संवेदनाओं को आकार दिया है, यूनिसेफ के नेशनल एम्बेसडर हैं और गौरवपूर्ण टाइम मैगजीन द्वारा उनके विघटनकारी सिनेमा के लिए दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों में से एक के रूप में भी वोट दिया गया है जो समाज का ईमानदारी से प्रतिनिधित्व करते है। भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान, ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित अमिताव घोष ने अपने पुरस्कार विजेता लेखन के माध्यम से विश्व मानचित्र पर भारत के पुनर्जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके महत्वाकांक्षी और जटिल उपन्यासों ने भारत और दक्षिण एशिया के लोगों की राष्ट्रीय और व्यक्तिगत पहचान के स्वभाव की छानबीन की है क्योंकि उन्होंने उपनिवेशवाद और जलवायु परिवर्तन जैसे विवादास्पद विषयों पर चर्चा की थी। इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति पश्चिम में भारत की इक्विटी को आगे बढ़ाने में अग्रसर रहे हैं। भारतीय आईटी क्षेत्र के पिता के रूप में पहचाने जाने वाले, वे पद्म विभूषण और पद्म भूषण पुरस्कार के क्रमशः दूसरे और तीसरे उच्चतम नागरिक पुरस्कार प्राप्तकर्ता हैं, जिसे भारत के गणराज्य द्वारा दिया जाता है। भारत के आईटी परिदृश्य को विकसित करने में उनका गहन योगदान रहा है, जिससे देश के भीतर रचनात्मक नौकरियां को अनमोल माना जाता हैं। आयुष्मान कहते हैं, मैं भारत के दिग्गजों के साथ इस बात पर विचार-विमर्श करने के लिए बेहद विनम्र महसूस कर रहा हूं कि कैसे हम राष्ट्र निर्माण में योगदान कर सकते हैं और इस पर विचार कर सकते हैं कि हम सभी भारत को विकास और गौरव के अगले चरण में कैसे ले जा सकते हैं।

'वेलकम 3' के लिए मुन्ना भाई और सर्किट ने थामा अक्षय का हाथ!

मजनू भाई से लेकर आरडीएक्स तक का नाम सुनते ही सबके दिमाग में एक ही फिल्म का नाम आता है और वह है वेलकम...बॉलीवुड की बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों में से एक अक्षय कुमार, कटरीना कैफ स्टारर इस फिल्म की दीवानगी लोगों के बीच आज भी है। अक्षय, कटरीना के साथ-साथ नाना पाटेकर, अनिल कपूर, परेश रावल सहित अन्य कई कलाकारों की अदाकारी के सजी इस फिल्म के हर सीन ने लोगों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया था। 2007 के बाद साल 2015 में इस फिल्म का सीक्वल भी दर्शकों को खूब भाया था। इन दिनों बॉलीवुड में इसके तीसरे पार्ट यानी वेलकम 3 को लेकर गपशप चल रही है। ऐसे में फिल्म की कास्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। साल 2007 में कॉमेडी का डोज देने वाली वेलकम के तीसरे पार्ट की स्टार कास्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है, जिसे सुनकर सभी का चौंकना बनता है। लेकिन फिल्म के लिए बनाई गई कलाकारों की यह टोली स्क्रीन पर कॉमेडी का गजब तड़का लगा सकती है इस बात की गारंटी जो अभिनेताओं के नाम सुनेगा वह दे सकता है। दरअसल, लेटेस्ट रिपोर्ट्स के अनुसार वेलकम 3 यानी वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार, अरशद वारसी और संजय दत्त एक साथ आ रहे हैं। वेलकम फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट को पहले वेलकम टू द जंगल कहा जा रहा था, लेकिन अब फिल्म को वेलकम 3 ही पुकारा जाने वाला है। यह फिल्म जल्द ही दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म फिरोज नाडियाडवाला की होगी। इस फिल्म में मुन्ना भाई यानी संजय दत्त, सर्किट यानी अरशद वारसी और अक्षय कुमार मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। अगर इन रिपोर्ट्स में जरा भी सच्चाई है तो यह हेरा फेरी 3 के बाद अक्षय कुमार की बैक टू बैक दूसरी कॉमेडी फिल्म होगी रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि हेरा फेरी 3 की शूटिंग जब अंतिम चरण में होगी तब या जैसे ही फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी, वेलकम 3 की शूटिंग शुरू हो जाएगी। हालांकि, अभी तक फिल्म की निर्देशन की कमान कौन संभालेगा यह तय नहीं हुआ है। आपको बता दें, वेलकम 2 से अक्षय कुमार गायब रहे थे।

लघु फिल्म गूलर का फूल एआरएफएफ बार्सीलोना फिल्म महोत्सव में नामित

पत्रकार से फिल्म निर्माता बने धीरज भटनागर के निर्देशन में बनी लघु फिल्म गूलर का फूल को अराउंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल (एआरएफएफ) के बार्सीलोना संस्करण में एक पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। भटनागर के मित्र सुधीर मिश्रा द्वारा लिखी इस लघु फिल्म को महोत्सव की लघु फिल्म श्रेणी में नामांकित किया गया है। एआरएफएफ का आयोजन बार्सीलोना, पेरिस, एम्स्टर्डम और बर्लिन में किया जाता है। गूलर का फूल चिंटू नाम के एक युवक की कहानी है जो यह मानता है कि अगर उसे गूलर का फूल मिल जाता है तो इस दुनिया को अलविदा कह चुकी उसकी मां उसके पास लौट आएगी। इस लघु फिल्म में सप्तक भटनागर, संदीप यादव, डॉ. रवि भट्ट और मृदुला भारद्वाज ने अभिनय किया है और इसे समीर अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है। एआरएफएफ के बार्सीलोना संस्करण का आयोजन 16 से 19 मार्च को किया जाएगा।

लॉकअप के दूसरे सीजन से करण कुंद्रा का पत्ता साफ!

कंगना रणौत एक बार फिर ओटीटी पर अपने रियलिटी शो लॉकअप के साथ वापसी करने जा रही हैं। शो से पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और ऐसे में उन्हें लॉकअप 2 का बेसब्री से इंतजार है। पिछले कुछ हफ्तों से शो सुर्खियों में बना हुआ है। कभी शो के कंटेस्टेंट से जुड़ी खबर सामने आती है, तो इस बार जेलर की भूमिका निभाने वाले करण कुंद्रा चर्चा में हैं। दरअसल, लॉकअप में कंगना रणौत के अलावा करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। वह शो में जब भी आते कंटेस्टेंट को मजेदार टास्क देखने को मिलते थे। वहीं, अब कहा जा रहा है कि करण कुंद्रा दूसरे सीजन में जेलर की भूमिका में नजर नहीं आएंगे और उनकी जगह बिग बॉस की विनर रह चुकी रुबीना दिलैक शो का हिस्सा बनेंगी। कंगना रणौत एक बार फिर ओटीटी पर अपने रियलिटी शो लॉकअप के साथ वापसी करने जा रही हैं। शो से पहले सीजन को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और ऐसे में उन्हें लॉकअप 2 का बेसब्री से इंतजार है। पिछले कुछ हफ्तों से शो सुर्खियों में बना हुआ है।

संस्थानों में पुस्तक दान अभियान

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

किताब पढ़ना एक संस्कृति है जिसका समर्थन करने की आवश्यकता है। संस्थान अपने रीडिंग क्लबों के माध्यम से परिसर में छात्रों के बीच पुस्तक दान अभियान के संचालन का समर्थन कर रहे हैं। विश्वदृष्टि बनाने पर एक पुस्तक का दूरगामी प्रभाव हो सकता है और अक्सर व्यक्तिगत परिवर्तन के स्रोत के रूप में कार्य करती है। युवाओं के बीच पढ़ने की संस्कृति को विकसित करने के लिए विभिन्न स्वयं सहायता पुस्तकें और आत्मकथाएँ एक दिलचस्प तरीका हैं। संस्थाएं क्लबों के जुड़ाव के माध्यम से संस्कृति को बढ़ावा दे रही हैं जो साप्ताहिक प्रवचन सत्रों का आयोजन करके पढ़ने को बढ़ावा देते हैं। पुस्तक दान अभियान ज्ञान फैलाने और आस-पड़ोस में जागरूकता पैदा करने का एक प्रभावी तरीका है। संस्थानों के साहित्यिक क्लब द्वारा निःशुल्क पुस्तकालयों और पुस्तक विनिमय मेलों को लोकप्रिय बनाया जा रहा है। स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से सार्व जनिक क्षेत्र में मुफ्त पठन पुस्तकालयों का संचालन करने से दान की गई पुस्तकें प्राप्त करने और पड़ोसी समुदाय के बीच परिचालित करने के लिए उनका उपयोग करने का अवसर मिलता है।

इस प्रकार की पुस्तकों में व्यक्तित्व विकास, आत्मकथाओं, प्रेरणादायक काल्पनिक कहानियों के साथ-साथ नौसिखिए पाठकों के बीच रुचि विकसित करने के लिए लोकप्रिय साहित्यिक उपन्यासों या कविताओं पर कई स्वयं सहायता पुस्तकों से लेकर हैं। दान और साझा करने का विचार अवरोधों को दूर करने और साथियों के बीच संवाद खोलने में मदद करता है। ऑफ़लाइन मोड में पढ़ना विभिन्न सोशल मीडिया पेजों पर युवाओं द्वारा बिताए गए समय से दूर रहने का एक चिकित्सीय तरीका है। शाम की सभा सत्र के रूप में पुस्तकों के अंशों का पठन सत्र एक प्रभावी क्लब गतिविधि है। साहित्यिक क्लब के कई सदस्य पड़ोस में बच्चों के लिए किताबों के अंश पढ़ रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे एक शौक के रूप में पढ़ने के लिए प्रेरित हों। यह भी विचार है कि पुस्तक की सामग्री का विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद किया जाए और अन्य भाषाई संसाधनों से पुस्तकों को बढ़ावा दिया जाए।

गुजरात में 3 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

5 हाईस्पीड कॉरिडोर से पांच रुपये के खाने तक, बजट में किसे क्या मिला?

गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने शुक्रवार को 3.01 लाख करोड़ रुपये का राज्य का आम बजट पेश किया। पिछले साल राज्य में हुए चुनाव के बाद बनी नई सरकार का ये पहला बजट है। इसमें सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कई अहम घोषणाएं की हैं। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि गुजरात में पिछले दो दशकों में संतुलित विकास की नींव रखी गई। सरकार ने पूंजीगत खर्च बढ़ाकर 72 हजार 509 करोड़ किया है। महिला एवं बाल विकास के लिए छह हजार 64 करोड़ का प्रावधान किया गया है। परिवार कल्याण विभाग के लिए 15 हजार 182 करोड़ और खाद्य आपूर्ति विभाग के लिए 2165 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। खास बात है कि सरकार ने मौजूदा करों (Tax) में किसी भी वृद्धि या कमी की घोषणा नहीं की है। आइए जानते हैं कि गुजरात सरकार के इस आम बजट में आम लोगों के लिए क्या-क्या घोषणाएं हुईं हैं? कोर्ट नया टैक्स नहीं लगाया गया राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि इस वित्तीय वर्ष में आम जनता पर कोई नया टैक्स का भार नहीं दिया जाएगा। विकास कार्यों के लिए बड़ी घोषणाएं गुजरात सरकार ने सूबे में पांच हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने का एलान किया है। इसके अलावा द्वारका में नया एयरपोर्ट बनेगा। हवाई पट्टी- एयरपोर्ट और हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए 215 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अहमदाबाद-बगोदरा-राजकोट हाइवे अब छह लेन का किया जाएगा। भुज-खावड़ा धर्मशाला रोड को टू-वे बनाया जाएगा। साबरमती नदी पर बैराज बनाने के लिए भी सरकार ने 150 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। धार्मिक, हेरिटेज, एडवेंचर और ईको टूरिज्म के तहत पर्यटन स्थलों के लिए 640 करोड़ का प्रावधान किया गया है। प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों के समेकित विकास हेतु 706 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

पर्यटन के विकास में तेजी लाने के लिए 277 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अंबेडकर आवास योजना और पंडित दीनदयाल आवास योजना में 222 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। मोरबी और गिर सोमनाथ में डॉ. अंबेडकर भवन बनेगा। गरीबों के लिए क्या एलान हुआ? गुजरात सरकार ने गरीबों के लिए भी बड़ा एलान किया है। गुजरात में मजदूर वर्ग को अब पांच रुपये में सरकार की तरफ से खाना दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा करते हुए कहा कि, गुजरात में मजदूरों को पांच रुपये में भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए पूरे राज्य में 150 नए केंद्र खोले जाएंगे। इसके अलावा सतफेरा समुदाय विवाह सहायता योजना में 10 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के कक्षा एक से 10 तक के छात्र-छात्राओं को छात्रवृति के लिए 376 करोड़ का प्रावधान किया गया है। 10 लाख विकास जाति के छात्रों को चार से 20 हजार तक छात्रवृत्ति दी जाएगी। अंविभिन्न जनपदों में बाल गृहों के निर्माण हेतु आठ करोड़ रुपये की व्यवस्था। ऑनलाइन शिक्षा की पैठ बढ़ाने के लिए ऑनलाइन लाइब्रेरी की शुरुआत होगी। सैनिक स्कूल की तरह 10 रक्षाशक्ति स्कूल शुरू होंगे। अरावली, डांग में शुरू होगा नया मेडिकल कॉलेज। सभी जिलों में साइंस सेंटर शुरू किए जाएंगे। 10 हजार छात्रों के लिए ई-वाहन खरीदने के लिए 12 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति के लिए डॉ. सविता अम्बेडकर अंतर्जातीय विवाह सहायता हेतु 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। परिवार के सदस्य की मृत्यु होने पर परिवार को सहायता के लिए संकट मोचन योजनान्तर्गत 20 करोड़ का प्रावधान और पालक माता-पिता योजना के तहत निराश्रित बच्चों को मासिक सहायता प्रदान करने के लिए 73 करोड़ रुपये का प्रावधान बजट में किया गया है।

अरकंसास में विमान दुर्घटना में पांच मरे

लिटिल रॉक (अमेरिका)। अमेरिका में अरकंसास के लिटिल रॉक औद्योगिक इलाके के बाहरी क्षेत्र में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार एक पर्यावरण परामर्श कंपनी के पांच कर्मचारियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पुलस्की काउंटी शेरिफ के कार्यालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कोडी बर्क ने बताया कि विमान बुधवार को 'बिल एंड हिलेरी क्लिंटन नेशनल एयरपोर्ट' के कई मील दक्षिण में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि विमान में पांच लोग सवार थे। एफएए ने बताया कि दो इंजन वाले विमान बीच बीई20 ने लिटिल रॉक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी और यह ओहायो के कोलंबस में 'जॉन ग्लेन कोलंबस इंटरनेशनल एयरपोर्ट' जाने वाला था। बर्क ने विमान में सवार यात्रियों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं दी है। एफएए ने कहा कि वह और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड मामले की जांच करेगा।

निर्मला सीतारमण ने इस स्थिति को बताया बेहद नाजुक, बहुपक्षीय समन्वय की जरूरत पर दिया जोर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। बैठक को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। निर्मला सीतारमण ने कई विकासशील देशों की कर्ज को लेकर नाजुक होती स्थिति का मुद्दा उठाया और इस कर्ज से निपटने के लिए बहुपक्षीय समन्वय के बारे में जी-20 के सदस्य देशों से विचार आमंत्रित किए। साथ ही उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक समन्वित वैश्विक नीति बनाने में जी-20 देशों के समर्थन का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीतारमण ने इस विषय पर भी

विचारों को आमंत्रित किया कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय विकास बैंकों को किस तरह मजबूत किया जा सकता है जिससे वे 21वीं सदी की साझा वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सके, साथ ही सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित रख सकें। उन्होंने कहा कि जी-20 जरूरतों और परिस्थितियों का सम्मान करते हुए ताकत का लाभ उठाकर दुनिया भर में जीवन बदल सकता है। बहुपक्षीय सहयोग पर जी-20 के सदस्य देशों से मांगे विचार सीतारमण ने जी-20 एफएमसीबीजी बैठक के पहले सत्र में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे, सतत वित्त और अवसंरचना पर भी बात की। साथ ही उन्होंने वित्तीय क्षेत्र पर एक अलग सत्र में संबंधित जोखिमों को संतुलित करते हुए तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। वित्त मंत्रालय ने ट्वीट किया, वित्त मंत्री ने कई कमजोर देशों में कर्ज को लेकर बढ़ते अस्थिरता के हालात का जिक्र किया और बहुपक्षीय सहयोग पर जी-20 के सदस्य देशों से विचार मांगे। भारत जी20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। इस नाते जी20 बैठक का एजेंडा भी भारत तय कर रहा है। वित्त मंत्री ने विभिन्न विकासशील देशों के कर्ज के प्रबंधन को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया। गरीब देशों के कर्ज में 35 फीसदी की बढ़ोतरी गौरतलब है कि विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने पिछले वर्ष दिसंबर में कहा था कि दुनिया के सबसे गरीब देशों पर सालाना 62 अरब अमेरिकी डॉलर का कर्ज है जो 2021 के 46 अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में 35 फीसदी बढ़ गया है और इसके साथ ही डिफॉल्ट होने का जोखिम भी बढ़ गया है। मलपास ने यह भी कहा था कि कम आय वाले देश कर्ज संकट के उच्च जोखिम में जा रहे हैं या पहले से ही इसमें बने हुए हैं और कर्ज का संकट गरीब देशों से आगे निकलता हुआ मध्य आय वर्ग वाले देशों में भी फैल रहा है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने माना- मलिक की हालत गंभीर

बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक की हालत गंभीर है। साथ ही अदालत ने अगले सप्ताह से गुण-दोष के आधार पर उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई करने की सहमति दी। मलिक को 23 फरवरी, 2022 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के संपत्ति के लेनदेन से जुड़े मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। मलिक ने पिछले साल चिकित्सा आधार जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। न्यायमूर्ति एमएस कार्णिक ने इस महीने की शुरुआत में मलिक के वकीलों से कहा था कि उन्हें पहले अदालत को संतुष्ट करना होगा कि मलिक की हालत गंभीर है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से 365 अस्पतालों में ओपीडी पंजीकरण सुविधा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने अपनी प्रमुख योजना आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के ओपीडी पंजीकरण के लिए स्कैन और शेयर सेवा से 365 अस्पताल जुड़े चुके हैं और पांच लाख से अधिक रोगियों ने लाभ उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि स्कैन और शेयर सेवा का लाभ देशभर में रोगी उठा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों के अलावा, कई निजी अस्पताल भी अपने रोगियों के लिए इस सेवा का प्रयोग कर रहे हैं। यह सेवा वर्तमान में देश के 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 125 जिलों में है। कर्नाटक में 2.5, उत्तर प्रदेश 1.1 लाख और दिल्ली 72 हजार रोगी इस स्कैन और शेयर सेवा को अपनाने वाले अग्रणी राज्य हैं।

भारत और श्रीलंका ने द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों को प्रगाढ़ बनाने पर सहमति जताई : रक्षा मंत्रालय

भारत और श्रीलंका ने बृहस्पतिवार को द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों की प्रगाढ़ता बढ़ाने पर सहमति जताई और एक दूसरे के अनुभवों, क्षमता से अधिकतम लाभ प्राप्त करने का संकल्प लिया। यह सहमति ऐसे समय बनी है जब चीन हिंद महासागर में अपने प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। दिल्ली में आयोजित सातवें भारत-श्रीलंका वार्षिक रक्षा संवाद में दोनों पक्षों ने रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग की समीक्षा की। रक्षा मंत्रालय ने बताया, बैठक के दौरान दोनों देशों में जारी रक्षा सहयोग की गतिविधियों

की समीक्षा की गई और दोनों देशों ने द्विपक्षीय अभ्यास की जटिलता बढ़ाने पर सहमति जताई। बयान के मुताबिक, प्रशिक्षण के संदर्भ में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के अनुभवों और क्षमता से अधिकतम लाभ उठाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। संवाद की सह अध्यक्षता भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और उनके श्रीलंकाई समकक्ष जनरल कमल गुनारत्ने ने किया।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों देशों के सशस्त्र बल विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को जारी रखना चाहते हैं और दोनों के बीच संपर्क का बढ़ना भविष्य के द्विपक्षीय संबंधों के लिए सकारात्मक संकेत है। अरमाने ने जनरल गुनारत्ने और उनके प्रतिनिधिमंडल का लाभदायक वार्ता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि भारत संवाद में बनी आपसी समझ के आधार पर संपर्क को आगे बढ़ा रहा है।

प्रधानमंत्री शुक्रवार को नगालैंड में संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे

कोहिमा। पीएम मोदी 27 फरवरी को होने वाले नगालैंड विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए शुक्रवार को चुमौकेदिमा जिले में एक रैली को संबोधित करेंगे। मोदी भाजपा-नेशनलिस्ट एनडीपीपी की एक रैली को संबोधित करेंगे। इस चुनाव में भाजपा और एनडीपीपी केवल दो पार्टियां हैं जिन्होंने चुनाव पूर्व गठबंधन किया है। मोदी के दौरे की जानकारी देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने कहा कि चुनावी राज्य में भाजपा के महत्वपूर्ण नेताओं का दौरा नगालैंड के भविष्य और एनडीपीपी के साथ उसके संबंधों को लेकर पार्टी की चिंता को दर्शाता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था आज बेहतर स्थान पर है : अमेरिकी वित्तमंत्री जेनेट एलेन

अमेरिका की वित्तमंत्री जेनेट एलेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कुछ महीने जिस तरह का आकलन किया जा रहा था उससे बेहतर स्थान पर वैश्विक अर्थव्यवस्था है और उम्मीदों में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि कर्ज के बोझ को कम करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है जिसने कई देशों को रोके हुए है। एलेन ने कहा, अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए यह कहना उचित होगा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गत कुछ महीनों पहले किए गए पूर्वानुमान के मुकाबले आज

बेहतर स्थान पर है। उस समय कई लोग भयभीत थे कि पूरी दुनिया में तेजी से मंदी आएगी। हम हमेशा वास्तविक चुनौतियों का सामना करते हैं और भविष्य हमेशा अनिश्चित होता है। लेकिन पिछली बार आशंका के बीच हुई मुलाकात के मुकाबले स्थितियों में सुधार हुआ है। यहां संवाददाताओं से बातचीत में अमेरिकी वित्तमंत्री ने कहा कि सबसे नवीनतम अनुमानों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पूर्वानुमान लगाया है कि वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर 3.2 प्रतिशत होगी जो पिछले साल अक्टूबर के आकलन से बेहतर है। उन्होंने कहा कि वृहद वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रगति हमारे सामूहिक कार्य का नतीजा है और आगे बढ़ने के लिए इस कोशिश को दोगुना करने के महत्व को रेखांकित करता है।

हम कर्नाटक को भ्रष्टाचार-मुक्त करेंगे, दक्षिण भारत में नंबर-एक राज्य बनाएंगे : अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कर्नाटक की जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. एदियुरप्पा पर भरोसा जताने की अपील करते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ऐसी सरकार देगी, जो राज्य को भ्रष्टाचार-मुक्त करेगी तथा इसे पांच वर्ष में दक्षिण भारत का नंबर-एक राज्य बना देगी। शाह ने बेल्लारी जिले में कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाले संदूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे नीत कांग्रेस तथा जनता दल (सेक्यूलर) पर यह कहते

हुए निशाना साधा कि ये वंशवादी दल हैं, जो आम जनता के लिए कुछ भी अच्छा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा भारत को मजबूत कर रही है, वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़ी है। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और एदियुरप्पा पर एक बार भरोसा करें, और हम ऐसी सरकार देंगे, जो कर्नाटक को भ्रष्टाचार से मुक्त करेगी और इसे दक्षिण भारत में नंबर-एक राज्य बनाएगी।

टीएमसी छोड़ने वाले बिनय तमांग ने जोर देकर कहा कि इस बार आंदोलन किसी दबाव में नहीं झुकेगा।

गोरखालैंड के नए आंदोलन की आग सुलग रही है दार्जिलिंग में

गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) और हमरो पार्टी सहित दार्जिलिंग हिल्स में गोरखालैंड समर्थक संगठनों ने संकेत दिया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पृथक राज्य के गठन को लेकर दबाव बनाने के लिए एक नया आंदोलन शुरू किया जाएगा। जीजेएम प्रमुख और अपने पूर्व संरक्षक बिमल गुरुंग से हाथ मिलाने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़ने वाले बिनय तमांग ने जोर देकर कहा कि इस बार आंदोलन किसी दबाव में नहीं झुकेगा। जीजेएम और हमरो पार्टी ने पश्चिम

बंगाल को विभाजित करने के प्रयासों के विरोध में राज्य विधानसभा में पारित एक प्रस्ताव के खिलाफ बृहस्पतिवार को इन पहाड़ियों में बंद का आह्वान किया था, लेकिन कक्षा-10 की बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर इसे वापस ले लिया। तमांग ने पीटीआई-भाषा को बताया, आने वाले महीनों में हम बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेंगे, जो (पृथक) गोरखालैंड हासिल करने के बाद ही थमेगा। इस बार न कोई समझौता होगा, न हम दबाव में झुकेंगे। यह गोरखाओं की पहचान स्थापित करने की लड़ाई होगी।

गोरखालैंड प्रादेशिक प्रशासन (जीटीए) के लिए 2011 में हुए समझौते से जीजेएम के बाहर निकलने के कुछ दिनों बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। जीजेएम ने दावा किया कि दार्जिलिंग के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं किया गया। पृथक राज्य के लिए 2017 में हुए आंदोलन के छह साल बाद व्यापक आंदोलन का आह्वान किया गया है। वर्ष 2017 में हुए आंदोलन के दौरान इन पर्वतीय क्षेत्रों में 104 दिनों तक बंद रखा गया था।

हमरो पार्टी के प्रमुख अजॉय एडवर्ड्स ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'इन पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की महत्वाकांक्षाओं की परवाह किए बिना प्रस्ताव पारित करने के तरीके का हम विरोध करते हैं। परीक्षाओं के कारण बंद का आह्वान वापस ले लिया गया था, लेकिन, यह आने वाले दिनों में बड़े जन आंदोलनों की शुरुआत है। हमने पहले से ही भूख हड़ताल शुरू कर दी है।

हाल के महीनों में दार्जिलिंग में एक नया राजनीतिक पुनर्गठन हुआ है तथा एडवर्ड्स, गुरुंग और तमांग ने गोरखालैंड की मांग को जिंदा करने के लिए हाथ मिलाया है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।